लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 42
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

सारी दुनिया कहती है हार मान लो लेकिन, दिल धीरे से कहता है एक बार, और कोशिश कर तू जरूर कर सकता है

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

दिल्ली के 5 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली, लगातार तीसरे दिन आया ईमेल

नईदिल्ली। दिल्ली के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलना बंद नहीं हो रही है, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। गुरुवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है, जिसमें प्रसाद नगर और द्वारका सेक्टर 5 समेत अन्य इलाकों के 5 स्कूल शामिल हैं। धमकी की सूचना पर दिल्ली पुलिस बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉयड और अग्निशमन दल के साथ मौके पर पहुंच गया है। जांच जारी है। गुरुवार को सुबह 5 स्कूलों को ईमेल मिलने से पहले बुधवार को करीब 50 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी थी। सभी स्कूलों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद स्कूल खाली कराए गए और कई स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। पुलिस ने बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड के साथ छापा मारा, तो कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इससे 48 घंटे पहले सोमवार को 32 स्कूलों को धमकी दी गई थी। दिल्ली पुलिस स्कूलों को लगातार धमकियां देने वाले लोगों को पकड़ नहीं पा रही है, जिससे इनके हौसले बुलंद हैं और वे लगातार ईमेल भेज रहे हैं। जनवरी से अब तक दिल्ली- एनसीआर के 74 शैक्षणिक संस्थानों, 70 स्कूलों और 4 कॉलेजों को बम से उड़ाने धमकियां मिल चुकी हैं। संदिग्ध लोग ईमेल को गूगल से न भेजकर वीपीएन, डार्क वेबसाइट्स या अन्य तरीके से भेज रहे हैं, जिससे उनका पता लगाना मुश्किल हो रहा है।

सुनील गोयल की न्यूमैक्स सिटी को RERA की मंजूरी, मुजफ्फरनगर में 100 एकड़ का टाउनशिप प्रोजेक्ट

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में रियल एस्टेट और शहर के विकास की दुनिया में एक बड़ी खबर आई है। न्यूमैक्स सिटी ये 100 एकड़ में फैला हुआ एक पूरा टाउनशिप प्रोजेक्ट है, जिसकी कमान मशहूर रियल एस्टेट कारोबारी सुनील गोयल के हाथ में है, इसे 14 अगस्त 2025 को RERA की आधिकारिक मंजूरी मिल गई। इससे पहले मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (MDA) से भी इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल चुकी थी। ये करीब 3,000 करोड़ रुपये का बड़ा प्रोजेक्ट है, और इसका निर्माण काम पहले से ही शुरू हो चुका है। कई हिस्सों पर तेजी से काम चल रहा है। RERA की मंजूरी से प्रोजेक्ट पूरी तरह कानूनी और पारदर्शी हो गया है। इससे खरीदारों की सुरक्षा बढ़ी है और कंपनी की जिम्मेदारी भी साफ दिख रही है। अब निवेश करने वालों का भरोसा और मजबूत हुआ है, क्योंकि न्यूमैक्स Developers समय पर अच्छी क्वालिटी का काम देने के लिए मशहूर है। न्यूमैक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और Omaxe के सह-संस्थापक सुनील गोयल ने पहले ग्रेटर नोएडा में 85 एकड़ की Omaxe NRI City (2003) और न्यू चंडीगढ़ में 700+ एकड़ की टाउनशिप (2015-16) जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स को कामयाबी से चलाया है। उन्होंने कहा कि "मुजफ्फरनगर में एक टॉप क्लास शहर बनने की सारी खूबियां हैं- यहां आर्थिक विविधता है, संस्कृति की धरोहर है और कनेक्टिविटी लगातार बेहतर हो रही है। Numax City का हमारा सपना है कि ये एक ऐसा जगह बने जहां लोग खुद पर निर्भर रहें और आधुनिक तरीके से जिंदगी जी सकें।"

कांग्रेस में कई योग्य नेता... पीएम मोदी के निशाने पर राहुल गांधी

पीएम मोदी की चाय पार्टी में नहीं पहुंचे विपक्षी सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मॉनसून सत्र बेहद हंगामेदार रहा। अलग-अलग मुद्दों पर विपक्षी हंगामे के बीच गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा स्थगित होने के बाद स्पीकर ने चाय मीटिंग रखा, हालांकि, इसमें राहुल गांधी शामिल नहीं हुए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही नहीं विपक्ष का कोई नेता शामिल नहीं हुआ। वहीं इस चाय पार्टी में पीएम मोदी ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई युवा नेता बेहद प्रतिभाशाली हैं। हालांकि, उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस में कई योग्य युवा नेता हैं। इनसे राहुल गांधी घबराए हुए हैं। कांग्रेस में युवा नेताओं को बोलने का मौका नहीं दिया जाता। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर युवा नेताओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। स्पीकर की चाय पार्टी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नहीं पहुंचने पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख विधेयकों पर बहस से दूर रहने के लिए विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वे केवल व्यवधान पैदा करने में लगे रहे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कई युवा विपक्षी नेता, खासकर कांग्रेस में, प्रतिभाशाली हैं। हालांकि, अक्सर उन्हें दरकिनार कर दिया जाता है। उन्होंने सुझाव दिया कि राहुल गांधी उन्हें बोलने का मौका देने को लेकर असुरक्षित और घबराए हुए महसूस करते हैं।

मॉनसून सत्र पर क्या बोले पीएम मोदी

संसद परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पारंपरिक चाय बैठक में कोई भी विपक्षी नेता शामिल नहीं हुआ। हालांकि सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता मौजूद थे। बैठक में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मानसून सत्र फलदायी रहा क्योंकि कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग विधेयक का जिक्र करते हुए इसे 'दूरगामी प्रभाव' वाला एक सुधार बताया, जिसका सीधा असर जनता पर पड़ेगा।

ट्रंप के टैरिफ के बीच एस जयशंकर का रूसी कंपनियों को गहराई से जुड़ने का न्यौता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोपने के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर मॉस्को पहुंचे हैं, जहां उन्होंने रूस के साथ व्यापार बढ़ने पर जोर दिया और भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत बताई। भारत-रूस व्यापार मंच पर जयशंकर ने कहा कि जिस तरह भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत में विदेश व्यवसाय के लिए नए द्वार खुले हैं। जयशंकर ने कहा, 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की जीडीपी और निकट भविष्य में 7 प्रतिशत की दर से विकास करने वाले भारत को विश्वसनीय स्रोतों से बड़े पैमाने पर संसाधनों की स्पष्ट आवश्यकता है। कुछ मामलों में, आवश्यक उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है, जैसे उर्वरक, रसायन, मशीनरी, आदि। इसका तेजी से बढ़ता बुनियादी ढांचा उन उद्यमों के लिए व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है जिनका अपने देश में एक स्थापित ट्रैक रिकॉर्ड है। जयशंकर ने आगे कहा, मेक इन इंडिया और ऐसी ही अन्य पहलों ने विदेशी व्यवसायों के लिए नए द्वार खोले हैं। भारत का आधुनिकीकरण और शहरीकरण उपभोग और जीवनशैली में बदलाव के कारण अपनी मांगें उत्पन्न करता है। इनमें से प्रत्येक आयाम रूसी कंपनियों को अपने भारतीय समकक्षों के साथ अधिक गहनता से जुड़ने का निमंत्रण देता है।

'ऐसे कानून संविधान के लिए दीमक जैसे'

पीएम-सीएम और मंत्री को हटाने वाले विधेयक पर कपिल सिब्बल हमलावर

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार जो नए बिल ला रही है, जिनमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्री को 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाने का प्रावधान है, वे संविधान को कमजोर करने वाले कानून हैं। कपिल सिब्बल ने इन्हें संविधान के लिए दीमक बताया। कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि इन बिलों का असली मकसद विपक्षी नेताओं और मुख्यमंत्रियों को निशाना बनाना है। उन्होंने कहा कि इससे लोकतांत्रिक ढांचे को तोड़ने की कोशिश हो रही है।

उन्होंने भरोसा जताया कि सरकार इन बिलों को पास नहीं करा पाएगी, क्योंकि संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत चाहिए, जो सरकार के पास नहीं है। बता दें कि बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन अहम बिल पेश किए थे, जिसमें पहला- गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025, दूसरा- संविधान (130वां संशोधन) बिल 2025 और तीसरा- जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025 है कपिल सिब्बल ने उदाहरण देते हुए कहा कि यह कानून अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं को टारगेट करने के लिए बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'जो सरकार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी जाती है, उसे तोड़ने की कोशिश हो रही है।

यही असली दीमक है।' उन्होंने दावा किया कि सरकार विपक्ष से डरी हुई है और बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की जनसभाओं में लाखों लोग जुट रहे हैं, जिससे जनता का रुख साफ दिख रहा है।

लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, बिरला ने कहा- नियोजित तरीके से डाला गया व्यवधान

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र 2025 का अंतिम दिन होने के कारण, गुरुवार को लोकसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही समाप्त की और मानसून सत्र का औपचारिक समापन किया। सत्र के अंतिम दिन अपने अंतिम संबोधन में, लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में शिष्टाचार और परंपराओं के अभाव पर चिंता व्यक्त की और विपक्ष की सुनियोजित व्यवधानों और नारेबाजी के लिए आलोचना की। उन्होंने गरिमापूर्ण चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने सदन की 37 घंटे की सीमित उत्पादकता के लिए सुनियोजित व्यवधानों और हंगामे को जिम्मेदार ठहराया, जो लक्षित 120 घंटे की चर्चा से कम थी। अपने समापन भाषण में अध्यक्ष ने कहा कि यह सत्र 21 जुलाई, 2025 को प्रारंभ हुआ। इस सत्र में 12 विधेयक पारित किए गए। 28 और 29 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा हुई, जिसका समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तरों से हुआ। 18 अगस्त को अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारत की उपलब्धियों पर विशेष चर्चा शुरू हुई।

उन्होंने कहा कि इस सत्र में 419 प्रकार के प्रश्न शामिल किए गए थे, लेकिन सुनियोजित व्यवधानों के कारण केवल 55 प्रश्नों के ही उत्तर दिए जा सके। सत्र की शुरुआत में हम सभी ने योजना बनाई थी कि 120 घंटे की चर्चा होगी। कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में इसके लिए आम सहमति बनी थी, लेकिन हंगामे और सुनियोजित व्यवधानों के कारण हमारी उत्पादकता केवल 37 घंटे ही रही। जनता हमें अपनी समस्याओं पर काम करने के लिए अपना प्रतिनिधि चुनती है, लेकिन कुछ दिनों से मैं देख रहा हूँ कि सदन में चर्चाएँ मर्यादा और परंपराओं के अनुरूप नहीं हो रही हैं। अध्यक्ष बिरला ने राजनीतिक दलों से अपने आचरण पर नियंत्रण रखने का आह्वान करते हुए कहा कि संसद के अंदर और बाहर सांसदों की भाषा गरिमामय होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सदन के अंदर और संसद परिसर में की जा रही नारेबाजी और सुनियोजित व्यवधान हमारी परंपरा नहीं है। विशेषकर, इस सत्र में जिस भाषा का प्रयोग किया गया है, वह सदन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है। हमें स्वस्थ परंपराओं का पालन करना चाहिए। सदन के अंदर गरिमापूर्ण चर्चा के प्रयास होने चाहिए। लेकिन मैं लगातार सुनियोजित विरोध और नारेबाजी देख रहा हूं। मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि हमें इससे बचने का प्रयास करना चाहिए और संसद के अंदर और बाहर हमारी भाषा अनुशासित और गरिमामय होनी चाहिए।

सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जम्मू-कश्मीर के 6 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर। सीबीआई ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक पुलिसकर्मी को कथित तौर पर हिरासत में प्रताड़ित करने के मामले में छह पुलिसकर्मियों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारियां सुप्रीम कोर्ट के 21 जुलाई के निर्देश के बाद की गई है जिसमें जम्मू-कश्मीर में एक पुलिस कांस्टेबल के साथ क्रूर और अमानवीय यातना को गंभीरता से लिया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार पुलिसकर्मियों में एक पुलिस उपाधीक्षक, एक निरीक्षक और एक सहायक उप-निरीक्षक शामिल हैं। आरोपी पुलिसकर्मियों को अपने हथियार और अन्य सरकारी सामान संबंधित जिला पुलिस लाइन में जमा करने का निर्देश दिया गया है।

आरोपी पुलिसकर्मियों में से एक - जो मानदेय पर काम करने वाला एक विशेष पुलिस अधिकारी है - को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) की सूची से हटा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आगे की जानकारी का इंतजार है। 21 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को जम्मू-कश्मीर में एक पुलिस कांस्टेबल को हिरासत में क्रूर और अमानवीय यातना दिए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन को उसे 50 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि अवैध हिरासत के दौरान कांस्टेबल को आई चोटें। विशेष रूप से उसके जननांगों को पूरी तरह से विकृत करना, उसके जननांगों पर काली मिर्च पाउडर डालना और बिजली के झटके देना, उसे दी गई अमानवीय गंभीर यातना की याद दिलाते हैं।

पीठ ने कहा, इन सभी तथ्यों का संयुक्त प्रभाव इस न्यायालय की अंतरात्मा को बहुत अधिक झकझोर देने वाला है। पीठ ने आगे कहा कि अनुच्छेद 21 का उल्लंघन न केवल स्पष्ट है, बल्कि गंभीर भी है। पीठ ने कहा कि कांस्टेबल को साथी सरकारी अधिकारियों की हिरासत में जानलेवा चोटें आई और बार-बार शिकायत के बावजूद कोई प्रभावी निवारण नहीं किया गया। सीबीआई ने 29 जुलाई को आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन पर आपराधिक साजिश, हत्या के प्रयास, गलत तरीके से बंधक बनाने और खतरनाक हथियारों से जानबूझकर चोट पहुँचाने के आरोप लगाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को आरोपी अधिकारियों को गिरफ्तार करने के लिए एक महीने और जांच पूरी करने के लिए तीन महीने का समय दिया था।

'राज्यपाल ने मंजूरी नहीं दी तो उसके राजनीतिक उपाय, लेकिन अदालत समय सीमा तय नहीं कर सकती', केंद्र का जवाब

नई दिल्ली। राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय सीमा तय करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान गुरुवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि राज्यपाल अगर विधेयक को मंजूरी नहीं दे रहे हैं तो उसके राजनीतिक उपाय हैं, लेकिन अदालत उसके लिए समय सीमा तय नहीं कर सकती।

केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संविधान पीठ के समक्ष दलील देते हुए कहा कि अगर राज्यपाल विधानसभा से पारित किसी विधेयक को मंजूरी नहीं दे रहे हैं, तो उसके राजनीतिक उपाय मौजूद हैं और न्यायपालिका के बजाय राज्य विधानसभा को इसके लिए विकल्प तलाशने चाहिए। मेहता ने कहा कि इस देश में हर समस्या का समाधान अदालतें नहीं हैं। मामले की सुनवाई कर रही संविधान पीठ में मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई के अलावा, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर शामिल हैं।

क्या बोले सॉलिसिटर जनरल

सॉलिसिटर जनरल ने कहा 'अगर राज्यपाल किसी बिल को मंजूरी नहीं दे रहे हैं तो उस स्थिति में राज्य को सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं चले जाना चाहिए। मुख्यमंत्री इस संबंध में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मुलाकात कर सकते हैं और उनसे बिल के संबंध में चर्चा कर सकते हैं। ऐसे मामलों में राज्यपाल, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की संयुक्त बैठक में ही समाधान निकल सकता है, लेकिन क्या अदालत द्वारा इसके लिए समय सीमा तय की जा सकती है? इस देश में हर समस्या का समाधान सुप्रीम कोर्ट के पास नहीं है। कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जिनके उत्तर व्यवस्था में खोजे जा सकते हैं।'

इस पर जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि अगर राज्यपाल बिल को मंजूरी नहीं दे रहे हैं तो अगर राज्य सरकार अदालत आती है तो आपके अनुसार, न्यायिक समीक्षा पूरी तरह से रोक दी जानी चाहिए? इस पर मेहता ने कहा कि राज्यपालों की कार्रवाई पर न्यायाधिकार का सवाल नहीं उठाया जा रहा लेकिन क्या अदालत, राज्यपाल के लिए समय सीमा तय कर सकती है?

अंतरिक्ष से भारत आज भी सबसे सुंदर शुभांशु शुक्ला ने शेयर किए मिशन के एक्सपीरियंस, बताया क्या था खास

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर सफल मिशन के बाद भारत वापस आ चुके हैं। गुरुवार को दिल्ली में उन्होंने अपने अंतरिक्ष के अनुभवों को शेयर किया। इस दौरान उनके साथ इसरो अध्यक्ष वी। नारायणन और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह मौजूद रहे। शुंभाशु शुक्ला ने कहा कि मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहूंगा और इसरो का शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस मिशन पर भेजा। शुभांशु ने गगनयान मिशन के बारे में भी बात की। गगनयान मिशन ISRO का ह्यूमन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा।

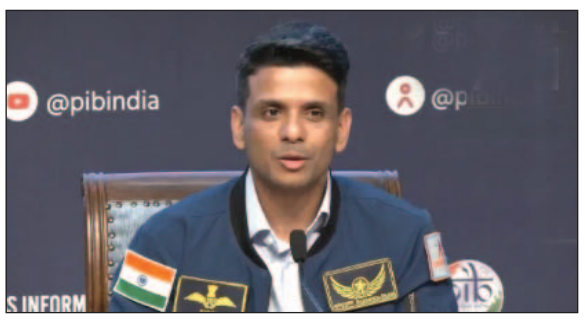

दिल्ली में मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शुभांशु ने कहा- अंतरिक्ष में शरीर 3-4 दिन में एडॉप्ट हो जाती है। ये मिशन कई मायनों में कामयाब रहा। एक्जोम मिशन का अनुभव किसी ट्रेनिंग से कहीं ज्यादा है। चाहे जितनी भी ट्रेनिंग की होगी जब राकेट चलता है तो उसका अनुभव अविश्वसनीय होता है।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा करने पर शरीर में बदलाव आते हैं। हालांकि यह सब ठीक हो जाता है। शरीर खुद को एडजस्ट कर लेता है। आप इस तरह के मिशन का गवाह बनते हैं तो ऐसा अनुभव होता है जो अलग है।

इसरो अध्यक्ष ने क्या कहा?

इसरो अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद, दक्षिण एशियाई सैटेलाइट का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही उसे प्रक्षेपित किया गया और दक्षिण एशियाई देशों को डोनेट किया गया। उनके ही नेतृत्व में, हमने जी-20 देशों के लिए जी-20 सैटेलाइट का भी निर्माण किया है। 10 साल पहले, अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे पास केवल एक स्टार्टअप कंपनी थी। लेकिन आज, स्पेस की इंडस्ट्री में हमारे पास 300 से अधिक स्टार्टअप हैं।

भारत आज भी सबसे सुंदर- शुभांश

शुभांशु शुक्ला ने कहा कि अब समय बदल रहा है पहले के मुकाबले अब बच्चे एस्ट्रोनॉट बनने के बारे में सोचने लगे हैं। इसरो तैयार है, मेरे लिए यह बहुत सुखद है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि अंतरिक्ष यात्रा करूंगा पर सपना देखेंगे तो जा पाएंगे। मैं यही संदेश देना चाहूंगा। भारत आज भी अंतरिक्ष से सबसे अच्छा दिखता है।

अंतरिक्ष विज्ञान के लिए बनाई गई अलग रणनीति- जितेंद्र सिंह

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले कुछ सालों में हमने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र के लिए रणनीति बनाई है। इसके साथ ही हम आगे बढ़े हैं। 8 मिलियन यूएस डॉलर की हमारी अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र की अर्थव्यवस्था है जो भविष्य में 45 की होगी। लोगों को लॉन्च देखने के लिए पीएम के निर्देश पर शुरू किया गया। इसका लाभ लोगों का रुझान स्पष्ट करता है।

गाजियाबाद में मंदबुद्धि युवती के साथ दुष्कर्म, दी जान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती की संदिग्ध मौत हो गई है। युवती का शव फंदे पर लटका मिला है। दो दिन पहले युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। इस घटना के बाद से युवती काफी तनाव में थी। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लोनी थाना क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मानसिक रूप से कमजोर युवती को अगवा कर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों के मुताबिक पीड़िता मानसिक रूप से बेहद कमजोर थी और ठीक से बोलने और सुनने में भी सक्षम नहीं थी। युवती को दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था।

वाराणसी में कालोनाइजर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, बाइक सवार तीन बदमाशों ने मार डाला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी जिले के सारनाथ थाना क्षेत्र के सिंहपुर गांव के अरिहंत नगर कालोनी के पास सुबह 9 बजे बाइक सवार कालोनाइजर महेंद्र गौतम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई।

बदमाशों ने कैसे दिया वारदात को अंजाम

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। बाइक सवार कालोनाइजर को चलती बाइक पर सवार नकाबपोश तीन बदमाशों ने समांतर चलते हुए कनपटी और सीने पर गोली मारी। पीछे बैठे दो बदमाशों ने लक्ष्य करते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग की। राहगीर महिला ने यह देख शोर मचाया। तब तक बदमाश असलहा लहराते हुए भाग निकले।

क्या है मामला

बताया जा रहा है कि रोजाना की तरह बृहस्पतिवार की सुबह महेंद्र गौतम (54) अपने मकान बुद्धा सिटी से अपने कार्य क्षेत्र अरिहंतनगर बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने पीछा कर महेंद्र गौतम को गोली मार दी।

गोली लगते ही सड़क पर गिर गए महेंद्र

इस दौरान गोली महेंद्र के कनपटी पर लगते ही वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर गए। वहीं बदमाश फायरिंग करते हुए भाग गए। वहां मौजूद महिला की सूचना पर पहुंचे लोगों ने आनन- फानन घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जांच में जुटी पुलिस

गोली मारने के बाद बाइक सवार बदमाश कॉलोनी का रास्ता पकड़ कर रिंगरोड की तरफ भाग गए। इसके बाद कॉलोनी के रहने वाले लोगों की सूचना के बाद डीसीपी वरूणा जोन प्रमोद कुमार मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की।

पर्यावरण पार्क में 'पार्क कैफे' कैन्टीन का हुआ शुभारम्भ

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सीताकुण्ड में स्थित ''पर्यावरण पार्क'' में पालिका द्वारा नवनिर्मित कैन्टीन का लोकार्पण एवं शुभारम्भ पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि पर्यावरण पार्क में आने जाने वाले लोगों द्वारा काफी समय से कैन्टीन की माँग की जा रही थी, पर्यावरण पार्क में प्रातः 04:00 बजे से 10:00 बजे तक टहलने, व्यायाम करने एवं स्वास्थ्य लाभ लेने हेतु आने वाले तथा अपराह्न 03:00 बजे से सायं 07:00 बजे तक बच्चों व परिवार के साथ झूलों व जिम का आनन्द लेने हेतु आने वाले आमजनमान के खान-पान की समुचित सुविधा हेतु कैन्टीन का निर्माण कराते हुए लोकार्पण किया गया है, जिसका नामकरण ''पार्क कैफे'' कैन्टीन के नाम से किया गया है, इसमें स्वास्थ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री व पेय पदार्थ की व्यवस्था की गयी है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राम चन्द्र मिश्र ने कहा कि पालिका द्वारा पर्यावरण पार्क में बच्चों के लिए झूले, ओपेन जिम, आर0ओ0 युक्त वाटर कूलर एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं व इसी क्रम में काफी समय से पार्क में आने वाले लोगों द्वारा कैन्टीन की मॉग की जा रही थी, जिसे आज प्रारम्भ किया गया है, जिसके लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए सराहना की। इस अवसर पर राम चन्द्र मिश्र वरिष्ठ भाजपा नेता, अशोक अग्रवाल, विनोद कुमार पाण्डेय ''बिन्नू'', रजनीश मिश्र, संजय सिंह सोमवंशी, धर्मेन्द्र सिंह, डा0 सुजीत सिंह, दिनेश पाण्डेय, ऋषभदेव शुक्ला, राजेश दूबे, सभासदगण प्रवीण मिश्र, दिनेश चैरसिया, अरूण कुमार तिवारी, अजय सिंह, मनीष जायसवाल, राजू पीको, मो0 अहमद भाई, सुधीर तिवारी, मंगरू प्रसाद प्रजापति, संदीप सोनकर एवं कैन्टीन संचालक मनोज मिश्र सहित बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे।

किसान की बनी मुसीबत, छुट्टा सांड और यूरिया खाद

सपा लोहिया वाहिनी जिला अध्यक्ष हरभजन यादव (प्रधान) के अगुवाई में हुआ प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। खाद्य यूरिया की किल्लत, वोट चोरी, छुट्टा मवेशियों की समस्याओं को लेकर सपाइयों ने प्रदर्शन किया। नगर के कलेक्ट्रेट गेट पर सपा लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष भजन लाल ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश में विशेष तौर पर सुलतानपुर में यूरिया खाद्य की बहुत भारी मात्रा में किल्लत है। किसानों को यूरिया नहीं मिल पा रही है सुबह से ही बहुत बड़ी-बड़ी लाइनें यूरिया लेने के लिए लगती है लेकिन फिर भी शाम को यूरिया बिना लिये वापस लौट जाते है। कई सोसाइटियों पर देखा गया कि बहुत भारी संख्या में महिलाएं भी खाद्य लेने के लिए लाइन में लगी हुई हैं बहुत सी महिलाएं बेहोश होकर गिर जा रही है। जिससे आमजन मानस में काफी रोष व्याप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने वादा किया था कि सरकार में आयेगें तो किसानों की आय दोगुनी करेगें, लेकिन दोगुनी करने के बजाय किसानों को विवश एवं भगवान भरोसे छोड़ दिया।

'छुट्टा सांडों का भी उठा मुद्दा'

छुट्टा साड़ों से किसानों की खड़ी धान की फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है किसान रात भर जाग कर अपने खेतों की पहरेदारी करके अपने खेतों की रक्षा करता है। जिलाध्यक्ष भजन लाल किसानों की खड़ी फसल नहर में पानी न आने से फसले बर्बाद होने को हैं जो सरकारी ट्यूवेल लगे है वह भी खराब हो गये है। उनकी मरम्मत नहीं हो पा रही है जिससे किसानों को बहुत तकलीफ एवं उनकी फसलें बर्बाद हो जा रही है।प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष ने मांग किया कि सोसाइटियों पर तत्काल यूरिया खाद्य उपलब्ध कराया जाय और जो महिलाएं लाइन में लगती है उनको यूरिया खाद्य लेने में वरीयता दिया जाय। इस मौके पर राजीव चौधरी, पंच बहादुर,बसंत अग्रहरि मो सहजाद,आदिल खान, भीम पाल,अली अहमद, आशीष विश्वकर्मा आदि रहे।

कोर्ट के आदेश पर कार्यवाहक प्रिंसिपल पर चोरी का एफआईआर दर्ज करवाया

लंभुआ/सुलतानपुर। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के श्री दामोदर इंटर कॉलेज पांडेयपुर लंभुआ में कंप्यूटर लैब से सामान गायब होने का मामला सामने आया है। रिटायर्ड प्रधानाचार्य त्रिभुवनदत्त त्रिपाठी की शिकायत पर कोर्ट ने थानाध्यक्ष लंभुआ को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जिस पर बुधवार को केस दर्ज हुआ। त्रिपाठी ने बताया कि वे 30 जून 2013 को इस स्कूल से रिटायर हुए थे। उनके कार्यकाल में कंप्यूटर लैब में भारत सरकार से प्राप्त सामान था। इसमें 2 यूपीएस, 11 मॉनिटर, 11 माउस, 20 स्पीकर, 11 कीबोर्ड, एक प्रोजेक्टर, एक वीडियो कैमरा, 11 माउस पैड, एक एग्जॉस्ट फैन, एक वेब कैमरा, एक स्कैनर और 22 कुर्सियां शामिल थीं। उनके रिटायरमेंट के बाद रामप्यारे प्रजापति प्रधानाचार्य बने। सितंबर 2016 में प्रजापति ने अवकाश लिया और हरिप्रकाश त्रिपाठी को कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाया गया।

किसानों की खड़ी फसल पर चलाया बुल्डोजर, भड़के किसान... बनना है एक्सप्रेसवे

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली में चल रहे भारतमाला परियोजना के अंतर्गत वाराणसी-रांची-कोलकाता एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य को लेकर किसानों ने जमकर बवाल किया। आरोप है कि इस परियोजना में कुछ किसानों का अब तक मुआवजा नहीं मिला है। इसको लेकर किसानों ने जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कार्य संस्थान द्वारा ली गई पोकलैंड और जेसीबी को रोकने का प्रयास किया।

इसके बाद चकिया के एसडीएम मौके पर पहुंचे। प्रशासन द्वारा दो थाने की फोर्स के द्वारा भीड़ को हटाया गया। किसानों का आरोप है कि अब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है और खड़ी फसल को जेसीबी से बर्बाद किया गया है। किसानो ने फसल के नुकसान के साथ साथ मुआवजे की मांग की है।

किसानों ने किया विरोध

किसान संजय सिंह ने बताया कि रोपाई के बाद फसल बर्बाद कर दी गई जिसका अभी तक मुआवजा नहीं मिल पाया है, वहीं किसान कृष्णावती और दिलीप का भी मुआवजा नहीं मिल पाया है। जिसको लेकर किसानों ने बवाल किया और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसानो ने कहा कि नुकसान के साथ जमीन का भी मुआवजा दिया जाए नहीं तो हम लोग आगे धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान मौके पर दो थाने की फोर्स के साथ एक प्लाटून पीएसी मौजूद रही।

किसानो का कहना है कि सरकार एक ओर किसानों की आय दुगनी की बात करती है, तो एक ओर जबरदस्ती जमीन अधिग्रहण करती है। किसानों का मुआवजा भी समय से नहीं मिला। हालांकि, कुछ किसानों का मुआवजा मिल गया है। जिन किसानों की जमीन का मुआवजा नहीं मिला उन किसानों ने अपनी खेत में धान की रोपाई कर दी। अब आज जिला प्रशासन द्वारा उनकी फसल को बर्बाद कर जमीन को ले लिया गया।

संकट में फंसे किसान

अब उनके सामने संकट उत्तपन हो गया है, क्योंकि उन्होंने जुताई, बुआई, खाद देकर अपने खेत मे धान की फसल लगाई थी। फसल भी अच्छी थी। दो महीने मे धान की फसल तैयार होने वाली थी। अब जो लागत लगाई थी फसल के साथ वो भी बर्बाद हो गई। ऊपर से उनके ऊपर कर्ज भी हो गया है। अब किसानों के माथे पर चिन्ता की लकीर खींच गयी है। किसानो ने कहा कि धान की फसल बेच कर बेटी की शादी, बच्चों की फीस, दवाई, गेहूं बोने के लिये बीज, खाद, की भी व्यवस्था करनी थी जो धान के रोपाई में कर्ज लिये थे उसको भी भरना था, लेकिन सब बर्बाद हो गया। चन्दौली के लगभग 60% प्रतिशत लोग खेती पे ही आश्रित है।

प्रशासन ने क्या कहा?

पूरे मामले पर अपर जिलाधिकारी राजेश कुमार ने कहा है की जो मामले न्यायालय में विचारधीन हैं उन पर काम को रोका गया है। ज्यादा से ज्यादा किसानों का पैसा दे दिया गया है। कुछ किसानों से पहले एक बीघा जमीन ली गई थी लेकिन बाद में उनसे अधिक जमीन ली गई। उस पर जांच चल रही है और पैसा दिया जा रहा है।

मुजफ्फरनगर रेप केस में नया मोड़, नाबालिग पीड़िता ने कोर्ट में घरवालों के खिलाफ दिया बयान, परिवार ने चौकी पर किया प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अगस्त को लड़की के परिजनों ने थाने में तहरीर देते हुए एक युवक और उसके दो भाइयों पर रेप करने का आरोप लगाया था। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया था। पुलिस ने जांच करते हुए पीड़िता को कोर्ट में बयान कराए। यहां पर पीड़िता ने अपने परिजनों को खिलाफ में बयान देते हुए, आरोपी युवक के पक्ष में बयान दिया।

इसके बाद पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के दोनों भाइयों के नाम मुकदमे से हटा दिए। इसी बात को लेकर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ शाहपुर थाना क्षेत्र की कस्बा चौकी के बाहर जाम लगाते हुए हंगामा किया। ग्रामीण और परिजन आरोपी के दोनों भाइयों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग पर अड़े थे। पुलिस ने हंगामा बढ़ता देखा तो बल प्रयोग कर ग्रामीणों को चौकी के बाहर रोड से हटाया। इसके बाद रोड से जाम को खुलवाया गया।

पीड़िता ने घरवालों के खिलाफ दिया बयान

मामले में जानकारी देते हुए एसएसपी ने बताया कि, शाहपुर थाना में 17 अगस्त को बलात्कार का मुकदमा दर्ज हुआ था। पीडिता 14 साल की बच्ची थी। उसके साथ गलत काम करने की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके आधार पर नामजद अभियुक्त सौरव को 18 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। बाद में कोर्ट नियम के अनुसार लड़की का बयान और मेडिकल कराया गया। बयान दर्ज करने के दौरान लड़की ने अपने परिजन के खिलाफ बयान दिया।

परिजन ने ग्रामीणों के साथ मिलकर किया हंगामा

इसके बाद जब परिजनों को यह पता चला की लड़की ने जो बयान दिया है वह घर वालों के फेवर में नहीं है तो, इसको लेकर उसके घर वाले सड़क पर जाम लगाने का प्रयास कर रहे थे, जिसको आवश्यक बल लगाकर के हटाया गया।साथ ही साथ इसमें कुछ लोग जो अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे थे उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर जांच का आदेश दिया गया है। जांच के आधार पर जो भी तथ्य पाए जाता है उसके मुताबिक आगे की विधिक कारवाई की जाएगी। साथ ही कानून व्यवस्था बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का क्षेत्रवासियों ने लिया संकल्प

» **लगातार पीडीए पंचायत की बैठक करवा रहें: डॉ0 सुरेश यादव, डॉ नरेंद्र बहादुर यादव**

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। इसौली विधान सभा के सेक्टर नंबर 18 ग्राम पंचायत पूरे पंवार में विन्द्यादीन यादव की अध्यक्षता में पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक पंचायत का आयोजन किया गया। बैठक में कहा गया भाजपा की केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार लगातार लोकतंत्र विरोधी कार्य को अंजाम दे रही है,चाहे एस आई आर के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा जनता के वोट वोटर लिस्ट से काटना या संविधान में 130वां संशोधन करके विपक्ष के मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पद से हटाकर छल से सरकार गिराने का कानून बनाना।उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के द्वारा प्राथमिक विद्यालय को बंद करके गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना और धान की तैयार फसल में यूरिया छिड़काव के लिए पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों पर लाठीचार्ज करना इस सरकार की तानाशाही को प्रदर्शित करता है पूरे प्रदेश में बिजली, स्वास्थ्य की बदहाल व्यवस्था योगी सरकार की विफलता को प्रदर्शित करता है, पीडीए पंचायत मौजूद लोगों से भाजपा की संविधान विरोधी, लोकतंत्र विरोधी विफल सरकार को आने वाली 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता से बेदखल करने का निर्णय लिया। पीडीए पंचायत जोनल प्रभारी, जिला सचिव डॉ०सुरेश यादव, जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ डॉ०नरेंद्र बहादुर यादव, सहप्रभारी शेर बहादुर यादव, सेक्टर प्रेक्षक उदयराज यादव बूथ प्रभारी बब्बन यादव के नेतृत्व में सम्पन्न हुई।

दिल्ली–यूपी हो, चाहे हरियाणा–पंजाब या फिर कोलकाता... दिवाली और छठ पर बिहार जाने के लिए इस दिन से शुरू होगी बस की बुकिंग

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। बिहार जाने वालों के लिए एक जरूरी सूचना है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSRTC) ने बताया कि दिवाली और छठ पर जाने के लिए दिल्ली समेत प्रमुख स्टेशनों से कब से बुकिंग शुरू होगी। सूचना के मुताबिक, 1 सितंबर से बस टिकट ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। ये बसें दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम, चंडीगढ़, पंचकूला, अंबाला, पानीपत, लखनऊ, सिलीगुड़ी और कोलकाता जैसे शहरों से चलेंगी।

ये बसें बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, पूर्णिया और दरंभगा के लिए चलेंगी। 1 सितंबर से बस सेवा की बुकिंग शुरू हो जाएगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) ने बताया बस सेवा 20 सितंबर से शुरू होगी और 30 नवंबर तक चलेगी।

22 सितंबर से नवरात्र शुरू हो रहा है और 2 अक्टूबर को दशहरा है। 20 अक्टूबर को दिवाली और 28 अक्टूबर को छठ का सुबह का अर्घ्य है। परिवहन निगम ने इसका प्रचार जोर-शोर से शुरू कर दिया है और इसके लिए अखबारों में पूरे पेज का विज्ञापन भी दिया गया है। विज्ञापन के मुताबिक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के कुल 12 शहरों से बिहार के छह शहरों के लिए लगभग सवा दो महीने बस सेवा चलेगी।

कहां से कर सकते हैं टिकट बुक?

बस टिकट की एडवांस बुकिंग 1 सितंबर से चालू हो जाएगी और निगम की साइट https://bsrtc.bihar.gov.in/ पर टिकट खरीदे जा सकते हैं। परिवहन निगम के मुताबिक 20 सितंबर से 30 नवंबर तक पटना, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा और पूर्णिया से दिल्ली, गाजियाबाद, गोरखपुर, लखनऊ, कौशांबी, गुरुग्राम, पंचकूला, अंबाला, चंडीगढ़, पानीपत, सिलीगुड़ी और कोलकाता के बीच हर रोज बस चलेगी। परिवहन निगम ने बताया है कि पर्व-त्योहार के मौके पर लगभग सवा दो महीने तक इन शहरों के बीच एसी और डीलक्स बसों का परिचालन होगा।

बसों से होता है भीड़ का बोझ कम

दिल्ली, यूपी, पंजाब, पश्चिम बंगाल समेत दूसरे राज्यों में काम की वजह से रहने वाले बिहारियों की संख्या ज्यादा है जो दशहरा से ही लौटना शुरू कर देते हैं। दिवाली से छठ पर्व के दौरान यह भीड़ बेतहाशा हो जाती है। उस समय सफर के लिए ट्रेन में टिकट मिलना एक सपना बन जाता है। जिनके पास टिकट हो वो भी मुश्किलों के साथ सफर करते हैं। ऐसी हालत में बिहार आने-जाने के लिए ये बसें भीड़ का बोझ कुछ कम तो कर सकती हैं, लेकिन प्रवासियों की तादाद इतनी ज्यादा है कि वो कितने लोगों को राहत देगी, कहा नहीं जा सकता है।

विकास से अछूता नहीं रहेगा कोई भी ग्राम पंचायत हर गांव तक पहुंचेगा विकास कार्य– ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। विकास खण्ड सदर के ब्लॉक प्रमुख श्रीमती शेषा देवी के प्रतिनिधि पुत्र गोल्डी सिंह ने ग्राम पंचायत भुवालपुर डोमीपुर में सीसी रोड, इंटरलॉकिंग, सीसी कैब नाली का सर्वे कराने के दौरान लोगों से कहा कि विकास से अछूता नहीं रहने पाएगा कोई भी ग्राम पंचायत हर गांव तक विकास का कार्य पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि पूरे ब्लॉक मे हर ग्राम पंचायत में दो से लेकर चार काम तक अब तक कार्य कराया जा चुका है आगे भी उक्त सभी ग्रामों में और विकास का कार्य कराने का प्रयास किया जाएगा। गुरुवार को ग्राम पंचायत भुवालपुर डोमीपुर मजरे गौरबारी गांव में देवघाट पुल से मास्टर मनीराम सिंह के घर के आगे तक 500 मीटर सीसी रोड बनवाने के लिए सर्वे कराया। इसी क्रम में बुधवार को पूरे उसरहा गांव में खड़ंजे से मास्टर जीतलाल सिंह के घर तक 70 मीटर

इंटरलॉकिंग, वरिष्ठ समाजसेवी हेमंत कुमार सिंह के घर के सामने इंटरलॉकिंग से खड़ंजे तक 50 मीटर इंटरलॉकिंग, राम लखन चौरसिया के घर के सामने खड़ंजे से काशी नरेश सिंह के घर तक 30 मीटर इंटरलॉकिंग, राम लखन चौरसिया के खेत के पीछे खड़ंजे से छोटेलाल सिंह के घर तक 200 मीटर इंटरलॉकिंग, छोटे लाल सिंह के घर से निरंजन सिंह के घर तक पक्की सीसी कैब नाली 50 मीटर, कच्चे मार्ग से बद्री प्रसाद सिंह के घर तक 30 मीटर इंटरलॉकिंग के लिए सर्वे कराया गया। साथ ही पूरेमना गांव में मोहनगंज- जेठवारा राजमार्ग से रामभवन सिंह के घर के आगे तक 270 मीटर सीसी रोड और 270 मीटर सीसी कैब नाली, मोहनगंज- जेठवारा मुख्य राजमार्ग नहर के समीप से पन्ना लाल सिंह के खेत तक 300 मीटर इंटरलॉकिंग के लिए सर्वे प्रमुख प्रतिनिधि अपनी मौजूदगी में कराया। सर्वे कराने के बाद प्रतिनिधि गोल्डी सिंग ने कहा कि इसी सप्ताह में इसका स्टीमेट बनवाकर अगले सप्ताह में इसका टेंडर कराया जाएगा। बरसात के बाद उक्त सभी प्रस्तावित कार्यों पर निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा और दिसम्बर तक उक्त सभी कार्य हर हाल में पूर्ण करा दिए जाएंगे। इस सर्वे के दौरान बीडीसी सुनील कुमार सिंह, शील कुमार सिंह, हेमंत कुमार सिंह, लाल प्रताप सिंह, मास्टर जीतलाल सिंह, छोटे लाल सिंह, डॉ0 बलराम सिंह, ग्राम पंचायत सदस्य अभय कुमार सिंह पप्पू, ओम प्रकाश सिंह, राम भवन सिंह, हरि शंकर सिंह, चंद्रपाल सिंह, राम विंद सिंह, अजय सिंह, उदय राज सिंह, अशोक सिंह, मास्टर मनीराम सिंह, राम नरेश पाल, हरिनाथ पाल, छेदी सिंह, समरजीत पाल, हरिनाथ पाल आदि दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मड़ियांव से 3 शातिर गिरफ्तार, 11 बंडल कॉपर तार बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी की मड़ियांव पुलिस ने गुरुवार को एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 11 बंडल इलेक्ट्रॉनिक कॉपर तार बरामद हुए हैं, जिन्हें वे धोखाधड़ी से हासिल कर बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने इनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया है।मामला बुधवार को सामने आया था जब धर्मा इंटरप्राइजेज, आईआईएम रोड के संचालक विमलेश मिश्रा ने थाना मड़ियांव में शिकायत दर्ज कराई। उनके अनुसार, अज्ञात व्यक्तियों ने वाट्सएप पर पर्चा भेजकर ऑर्डर बुक किया और क्यूआर कोड के जरिए आंशिक भुगतान दिखाया, लेकिन वास्तविक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। इसके बावजूद सामान पोर्टल के माध्यम से उनकी दुकान से मंगवा लिया गया। इस धोखाधड़ी के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।गुरुवार को मड़ियांव पुलिस टीम भिठौली तिराहे पर गश्त कर रही थी कि मुखबिर से सूचना मिली कि सीतापुर रोड पर कोयला ढलान के पास तीन युवक प्लास्टिक की बोरी में महंगे कॉपर तारों के बंडल लेकर खड़े हैं और उन्हें बेचने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को दबोच लिया। पूछताछ में उनकी पहचान सुंदरम उर्फ सतीश (22 वर्ष), ऋषि कुमार गुप्ता (35 वर्ष) और मोहम्मद शादाब (32 वर्ष) के रूप में हुई। तीनों आरोपियों के कब्जे से 11 बंडल इलेक्ट्रॉनिक कॉपर तार बरामद हुए। पुलिस के अनुसार आरोपी धोखाधड़ी से दुकानों से तार उठाकर उन्हें बेचने का धंधा कर रहे थे।

राजस्व विभाग पुश्तैनी जमीन का उपलब्ध कराएगा नक्शा, जारी किया गया आदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुश्तैनी जमीन के बारे में जानने के लिए अब राजस्व भू-मानचित्र पाना आसान होगा। अगर यह नष्ट हो गया है तो इसे नए सिरे से बनवाकर तहसीलों पर रखवाया जाएगा। आवेदन करने वालों को इसकी कापी उपलब्ध कराई जाएगी। आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद एसवीएस रंगाराव ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश भेज दिए हैं।

इसमें कहा गया है कि तहसील और जिला स्तर पर राजस्व अभिलेखागार के साथ बंदोबस्त अधिकारी, सहायक अभिलेख अधिकारी कार्यालय में खोजबीन कराते हुए इसे संग्रहीत कर सुरक्षित किया जाएगा। भू-मानचित्र उपलब्ध न होने और जीर्ण-शीर्ण होने की स्थिति में इसके कारणों की जांच कराते हुए उत्तरदायित्व निर्धारित कर कार्रवाई की जाएगी। नष्ट होने या अनुपलब्ध होने की स्थिति की जानकारी राजस्व परिषद को दी जाएगी। जिन ग्रामों के भू-मानचित्र तहसील, जिला या फिर राजस्व परिषद स्तर पर भी उपलब्ध नहीं है, उसे प्राप्त करने के लिए निदेशक मुद्रण एवं लेखन सामग्री प्रयागराज से संपर्क किया जाएगा। उनके यहां से इसे प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा। वहां भी भू-मानचित्र उपलब्ध न होने की स्थिति में संबंधित राजस्व ग्रामों के भू-मानचित्रों का निर्माण कराया जाएगा। इसके बाद इसे सुरक्षित रखा जाएगा और लोगों की ओर से मांग किए जाने पर इसे उपलब्ध कराया जाएगा।

रेशम की साड़ी बनाने का बंदियों को दिया गया प्रशिक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मन्त्रालय भारत सरकार की समर्थ योजना के अन्तर्गत संस्था संगीता सिल्क क्रिएशन वाराणसी द्वारा जिला कारागार लखनऊ में बन्दियों को रेशम की साड़ी बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत 30 दिवस का प्रशिक्षण प्राप्त करने पर प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को रू0-5,100/- का मानदेय व केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा एक प्रमाण-पत्र दिया जा रहा है। गुरुवार को सिद्दीकी अली अहमद, नोडल अधिकारी, समर्थ व वैज्ञानिक (डी०) केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मन्त्रालय, भारत सरकार तथा आर०के० जायसवाल, वरिष्ठ अधीक्षक, जिला कारागार लखनऊ द्वारा तीसरे बैच का उद्घाटन किया गया व सभी प्रशिक्षणार्थियों को किट वितरित किया।

मानकनगर पुलिस ने 66 किलो अवैध गांजा सहित दो तस्करों को दबोचा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के मध्य ज़ोन, थाना मानकनगर की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल 66.938 किलो अवैध गांजा, दो मोबाइल फोन, दो आधार कार्ड और 3,100 रुपये नकद बरामद हुए हैं।पुलिस उपायुक्त मध्य के निर्देश पर अपर पुलिस उपायुक्त मध्य और सहायक पुलिस आयुक्त कैन्ट के मार्गदर्शन में मानकनगर पुलिस कनौसी फ्लाईओवर की ढलान पर CMS स्कूल के सामने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान दो व्यक्तियों—अनिल कुमार और प्रदीप मोदक—को रोककर तलाशी ली गई। पूछताछ में उन्होंने अपने पास गांजा होने की बात स्वीकार की।जामा तलाशी के दौरान अनिल कुमार के पास से एक सैमसंग मोबाइल, एक आधार कार्ड, 1,450 रुपये और दो ट्राली बैग तथा एक पिट्ठू बैग में क्रमशः 15.260, 15.270 और 5.320 किलो गांजा बरामद हुआ। वहीं प्रदीप मोदक के पास से एक वीवो मोबाइल, एक आधार कार्ड, 1,650 रुपये और दो ट्राली बैग में 15.310 और 15.210 किलो गांजा मिला।दोनों अभियुक्तों ने बताया कि वे यह गांजा बिहार के न्यू कूच बिहार रेलवे स्टेशन से प्राप्त कर दिल्ली में वसीम नामक व्यक्ति को बेचने का कार्य करते हैं। उन्हें इसमें अच्छा मुनाफा मिलता है और रामदरश नामक व्यक्ति ट्रेन और बस का टिकट उपलब्ध कराता है। आज बस से दिल्ली जाने के लिए इंतजार कर रहे थे कि पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।इस मामले में थाना हाजा पर NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के आदेशों का पूर्ण पालन किया।थाना मानकनगर की इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष अजीत कुमार, उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर सिंह, उपनिरीक्षक मिथिलेश यादव, हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने कहा कि इस गिरफ्तारी से अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा और ऐसे तस्करों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

पितृपक्ष पर श्रद्धालुओं के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने शुरू की विशेष बस सेवा

लखनऊ। पितृपक्ष के दौरान गया, बिहार जाकर पिण्डदान और तर्पण करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष अंतरराज्यीय बस सेवाओं की शुरुआत की है। इन बसों के संचालन से श्रद्धालुओं को यात्रा में आसानी होगी और निजी वाहनों पर निर्भरता भी घटेगी।परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि सारनाथ (वाराणसी) से बोधगया (बिहार) के लिए नियमित बस सेवा शुरू की गई है। यह बस वाराणसी कैंट से रात्रि 8 बजे चलकर चंदौली, सासाराम, औरंगाबाद, शेरघाटी होते हुए सुबह 4 बजे गया पहुंचेगी। वाराणसी से गया तक का किराया 465 रुपये निर्धारित किया गया है।इसी प्रकार लखनऊ के आलमबाग बस टर्मिनल से मुजफ्फरपुर के लिए सीधी बस सेवा शुरू की गई है।

आई एम आर टी लखनऊ में नए सत्र की शुरुआत गर्मजोशी से

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शहर की बहु प्रतिष्ठित बिज़नेस संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (IMRT), में स्नातक पाठ्यक्रम (UG) के नवप्रवेशी छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन आज उत्साहपूर्ण ढंग से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ शुभी अग्रवाल द्वारा एंकरिंग से हुआ। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत के पश्चात दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से समारोह की शुरुआत हुई। कॉलेज का परिचयात्मक वीडियो प्रस्तुत करने के बाद संस्थान के चेयरमैन श्री देशराज बंसल सेवानिवृत्त आई एफ एस ने गर्मजोशी से नए छात्रों को सम्बोधित किया। वर्तमान परिवेश में शिक्षा के नए कीर्तिमान स्थापित करने हेतु छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हुए उन्होंने नए छात्रों से खुद को नए माहौल में ढाल कर नयी उपलब्धिया हासिल करने को प्रेरित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री सर्वेश्वर शुक्ला, नोडल ऑफिसर सी एम युवा ऑफिस सहित सम्मानित अतिथि के रूप में सुश्री शिवानी सिंह, डिप्टी कमिश्नर ऑफ इंडस्ट्री , सी एम युवा ऑफिस, श्री शबाहत हुसैन, एच आर हेड इकाना , प्रो प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सी डी आर आई एवं श्री गिरीजा शंकर तिवारी , सीनियर मैनेजर सेन्को के प्रेरणादायी व्याख्यान हुए।

ओरिएंटेशन में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। साथ ही पिछले सत्र के मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का समापन संस्थान की निदेशिका डॉ शिल्पीका पांडेय के वोट ऑफ़ थैंक्स से हुआ।

दोपहर भोजन के उपरांत विभिन्न कक्षाओं में क्लास कोऑर्डिनेटर एवं छात्रों के बीच इंटरेक्शन सेशन का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों को शैक्षणिक गतिविधियों, नियमों और अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम छात्रों के लिए एक नई शैक्षणिक यात्रा की प्रेरणादायी शुरुआत साबित हुआ।

ठाकुरगंज में जुआ अड्डे पर बड़ी कार्रवाई, 21 गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को एक बड़े जुआ अड्डे पर छापेमारी कर 21 जुआरियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ की क्राइम टीम और थाना ठाकुरगंज की संयुक्त टीम ने की। गिरफ्तार आरोपियों के पास से कुल एक लाख चार सौ रुपये नगद, तीन ताश की गड्डियां और दो गमछे बरामद हुए। सभी आरोपितों को न्यायालय में पेश किया गया है।पुलिस के अनुसार, किशोर विहार, कैम्पबेल रोड पर बने एक मकान के पीछे खाली प्लॉट में यह जुआ अड्डा चल रहा था। मुखबिर खास से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि मौके पर मौजूद जुआरियों ने हार जीत की बाजी लगाई और बड़ी मात्रा में नकद रखा हुआ था। क्राइम टीम और स्थानीय पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सभी 21 आरोपियों को दबोच लिया।गिरफ्तार आरोपियों में सूरज यादव, लालू उर्फ जुबैर खान, मुनीश (किसान यूनियन जिलाध्यक्ष), आसिफ, आशीष लोधी, रवि प्रजापति, अशफाक, पप्पू, शनि, अभिषेक भल्ला, धीरज तिवारी, मोहम्मद उज़ैफ़, तौहीद, अदनान, शाहरुख, अभिषेक, राहुल तिवारी, मेराज हुसैन, समीर, अब्दुल गनी और राजेंद्र कश्यप शामिल हैं। पुलिस अब इनके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।पुलिस आयुक्त ने कहा कि जुए और सट्टेबाजी के मामलों में किसी भी तरह की सहनशीलता नहीं दिखाई जाएगी। ऐसे अपराधों को रोकने और समय पर कार्रवाई करने के लिए लगातार छापेमारी की जाएगी। गिरफ्तारी करने वाली टीम में क्राइम टीम के उपनिरीक्षक मोहम्मद असलम, प्रकाश सिंह, शुभम पाराशर और हेड कांस्टेबल अरुण कुमार, अमित कुशवाहा, दिलीप कुमार समेत अन्य अधिकारी शामिल थे।

लखनऊ पुलिस ने ज्वैलर्स की दुकान से 50 लाख की चोरी का किया खुलासा, चार शातिर चोर गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की चौक पुलिस ने ज्वैलर्स की दुकान से चोरी करने वाले कारीगर और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए चारों अभियुक्तों के कब्जे से 563.18 ग्राम अर्धनिर्मित पीली धातु के आभूषण बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये बताई जा रही है।मामला चौक थाना क्षेत्र का है। 8 अगस्त को धर्मेन्द्र नामक ज्वैलर्स ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनकी दुकान में लंबे समय से कार्यरत कारीगर अनिल चौधरी 4 अगस्त को दोपहर करीब दो बजे करीब 700 ग्राम सोने के अधबने आभूषण लेकर बिना बताए फरार हो गया। घटना को संज्ञान में लेते हुए चौक पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया।पुलिस की मेहनत रंग लाई और 21 अगस्त की सुबह चौक थाना प्रभारी नागेश उपाध्याय की टीम ने हुसैनाबाद इंटर कॉलेज के पास घेराबंदी कर मुख्य आरोपी अनिल चौधरी समेत उसके तीन साथियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अनिल चौधरी के अलावा यासिर हुसैन, मोहम्मद मजहर और उमेश कन्नौजिया शामिल हैं। चारों को विधिक कार्रवाई के बाद अदालत में पेश किया जा रहा है।पुलिस के अनुसार, कारीगर अनिल चौधरी ज्वैलर्स की दुकान पर पिछले तीन-चार वर्षों से काम कर रहा था। उसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने लाखों के जेवरात गायब कर दिए और अपने साथियों के साथ ठिकाने लगाने की योजना बनाई। पुलिस ने इनसे चोरी के सोने के अर्धनिर्मित आभूषण बरामद किए हैं जिनकी कीमत पचास लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।इस खुलासे में चौक पुलिस की टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने अपराधियों पर सतर्क दृष्टि रखने और पूर्व में घटित घटनाओं के शीघ्र अनावरण के निर्देश दिए थे। उनके आदेश के अनुपालन में पुलिस उपायुक्त पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव और अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी धनंजय सिंह कुशवाहा के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त चौक राजकुमार सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई।चौक थाना प्रभारी नागेश उपाध्याय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक पंकज यादव, लवलेन्द्र सिंह, राहुल मिश्रा, योगेन्द्र कुमार और पुलिस बल के अन्य जवानों ने संयुक्त अभियान चलाकर चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर उनके अन्य आपराधिक इतिहास और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।इस बड़ी सफलता के बाद पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान और भी तेज किया जाएगा और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

भाजपा ने कानपुर देहात के पूर्व नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश ने कानपुर देहात के तीन वरिष्ठ नेताओं—पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला और पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी—के खिलाफ पार्टी आचरण के विपरीत गतिविधियों और वक्तव्यों के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया है।भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी गोविन्द नारायण शुक्ल ने बताया कि सोशल मीडिया और मीडिया में पार्टी के विचारों के प्रतिकूल बयान देने की जानकारी प्राप्त हुई है। यह कृत्य गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। नोटिस के तहत सभी आरोपित नेताओं को सात दिनों के भीतर भाजपा प्रदेश कार्यालय में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। समय पर संतोषजनक उत्तर न मिलने की स्थिति में उन पर पार्टी द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।आधिकारिक पत्र में कहा गया है कि प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री के समक्ष नोटिस की प्रतिलिपि भेजी गई है। पार्टी का यह कदम आंतरिक अनुशासन सुनिश्चित करने और नेताओं के किसी भी प्रकार के अनुचित आचरण को गंभीरता से लेने का संदेश माना जा रहा है।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई ऐसे समय में की गई है जब पार्टी सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया पर नेताओं और कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर सख्त नजर रख रही है। पार्टी का उद्देश्य स्पष्ट है कि आचार और नीतियों के खिलाफ कोई भी कदम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय टीम ने एमडीए वाले दो और जिलों का लिया जायजा, दिए सुझाव

लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज के निदेशक के नेतृत्व में टीम ने कानपुर व कानपुर देहात के आठ स्थानों पर किया भ्रमण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केंद्र से आई तीन सदस्यीय निगरानी टीम ने रायबरेली व फतेहपुर के बाद कानपुर व कानपुर देहात के कई स्थानों पर फाइलेरिया उन्मूलन के लिए चल रहे सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान का जायजा लिया। इस टीम की अध्यक्षता लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज के निदेशक डॉ. एस.के रसानिया ने किया। भ्रमण के बाद केंद्रीय टीम ने जिला व ब्लाक स्तर पर पर्यवेक्षण बढ़ाने, प्रतिकूल प्रभाव वाले लोगों को विशेष सुविधाएं देने व रेपिड रेस्पांस टीम सक्रिय करने के सुझाव दिए।

दो दिवसीय दौरे पर आई इस केंद्रीय टीम में डॉ. रसानिया के अलावा प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के विशेषज्ञ शामिल थे। फील्ड विजिट के अनुभवों के आधार पर, केंद्रीय निगरानी दल ने एमडीए अभियान की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कई प्रमुख सुझाव दिए। दल ने जिला और ब्लॉक, दोनों स्तरों पर निगरानी बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, ताकि एमडीए कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा, उन व्यक्तियों को विशेष सहायता प्रदान करने के महत्व पर ज़ोर दिया, जिन्हें दवा लेने के बाद प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। अंत में, टीम ने रैपिड रिस्पांस टीमों को सक्रिय करने की वकालत की, जो फाइलेरिया उन्मूलन प्रयासों के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी अप्रत्याशित चुनौती या प्रकोप से निपटने के लिए तैयार रहें।

राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. ए.के. चौधरी ने केंद्रीय निगरानी दल द्वारा दिए गए सुझावों से सहमति व्यक्त की। उन्होंने इन सिफारिशों के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की और यह सुनिश्चित किया कि समीक्षा से प्राप्त निष्कर्षों को राज्य भर में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को मज़बूत करने के लिए ठोस कार्रवाई में परिवर्तित किया जाएगा।

केंद्रीय टीम सबसे पहले कानपुर के बिधनु ब्लाक के मटियारा गांव पहुंची। यहां ग्रामीणों से दवा खाने के बारे में पूछा। स्वास्थ्य टीम से दवा खाने से इनकार करने वाले लोगों को समझाने के तरीके जाने। स्वास्थ्य टीम ने बताया कि गांव में सीएचओ-पीएसपी समूह बना है जिसमें प्रधान राहुल चौबे व कोटेदार कमल प्रकाश सक्रिय भूमिका निभाते हैं। पीएसपी समूह होने से गांव में काफी जागरूकता आई है और 65 से 70% लोग दवा भी खा रहे हैं। प्रधान ने बताया इस बार रात्रि चौपाल भी लगाई गई जिसमें फाइलेरिया के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है और दवा खाने के लिए खुद आगे आ रहे हैं।

घाटमपुर ब्लाक के राहा गांव में टीम ने औचक निरीक्षण किया। वहां पीएसपी सदस्य सुंदर लाल मिले जिनके साथ टीम ने पांच घरों का जायजा लिया। इसके बाद पतारा ब्लॉक के सेवढारी गांव में भ्रमण किया। पूछने पर वालंटियर निधि ने बताया कि हमारे यहां तीन साल से फाइलेरिया नेटवर्क काम कर रहा है। हम आशा के साथ घर-घर जाकर दवा खाने के लिए प्रेरित करते है। पीएसपी सदस्य प्रधान भोलानाथ ने बताया कि वह गांव में डुग्गी पिटवाकर लोगों को जागरूक करते हैं। केंद्रीय टीम ने कानपुर देहात के मलासा ब्लॉक के हासेमऊ गाँव का भी दौरा किया। टीम ने सीएचओ से एमएमडीपी किट, व्यायाम आदि के बारे में जानकारी ली। सीएचओ ने बताया कि हासेमऊ में पीएसपी गठित होने से बड़ी मदद मिली है। पीएसपी के माध्यम से ए.ए.एम. स्तर पर फॉलोअप भी किया जा रहा है, जो टीम को बहुत पसंद आया। एडवर्स ड्रग रिएक्शन (एडीआर) रोगी गुड़िया के घर जाकर उसका हालचाल पूछा। आशा के परिवार रजिस्टर का अवलोकन करने के बाद, मना करने वाले दो परिवारों के घर गए। कुल 11 सदस्यों में से 8 सदस्यों ने दवाइयाँ ली हैं।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन

भारत के आदिवासी समुदाय, जो कि कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत हैं, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के मूल तत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी, इन समुदायों के कई व्यक्ति जानकारी के अभाव में सिकल सेल नामक अनुवांशिक बीमारी से जूझ रहे हैं। दशकों से इस बीमारी ने उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी गहरा असर डाला है, और यह बीमारी भौगोलिक अलगाव एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुँच के कारण और भी जटिल हो गई है। इस गंभीर आवश्यकता को पहचानते हुए, भारत सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में जुलाई 2023 में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की। इस मौलिक पहल का उद्देश्य न केवल सिकल सेल के आनुवांशिक संचरण का उन्मूलन करना है, बल्कि इस रोग से प्रभावित लाखों लोगों के सम्मान और स्वास्थ्य को भी बहाल करना है।

सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाओं का आकार बदल जाता है, जिससे उनकी ऑक्सीजन वहन करने की क्षमता कम हो जाती है और धीरे-धीरे गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं उत्पन्न होने लगती हैं। आदिवासी जनसंख्या के बीच इसका प्रभाव विशेष रूप से गहरा है, क्योंकि वे इस आनुवंशिक बीमारी से असमान रूप से प्रभावित होते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज एस्टिमेट्स (2021) रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष अनुमानित 82,500 बच्चों का जन्म सिकल सेल रोग के साथ होता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 ने इस संकट से निपटने के लिए आधार तैयार किया और इसकी विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ज़ोर इसी के आधार पर, केंद्रीय बजट 2023 में एनएससीएईएम की घोषणा की गई, जिसमें वित्त वर्ष 2025-2026 तक 40 वर्ष से कम आयु के 7 करोड़ व्यक्तियों की मिशन मोड में जाँच करने का लक्ष्य रखा गया। कार्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत क्रियान्वित किया गया, जिससे यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े जनसंख्या-आधारित आनुवंशिक जाँच कार्यक्रमों में से एक बन गया है। इस मिशन का उद्देश्य 2047 तक एससीडी के आनुवंशिक संचरण को समाप्त करना और पहले से ही इससे पीड़ित लोगों को व्यापक देखभाल प्रदान करना भी है। पहले दो वर्षों में, स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से इस मिशन के अंतर्गत उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं। 31 जुलाई 2025 तक, 17 उच्च-व्यापकता वाले राज्यों के 300 से अधिक जिलों में 6.07 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है। जांच किए गए व्यक्तियों में से 2.16 लाख रोगग्रस्त पाए गए, जबकि 16.92 लाख को वाहक के रूप में पहचाना गया। विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि 95त्न मामले केवल पाँच राज्यों—ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र—में केंद्रित हैं।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के नवापारा की एक युवा आदिवासी लड़की मीना की कहानी इस मिशन के सकारात्मक प्रभाव का प्रतीक है। जांच अभियान के दौरान नैदानिक परीक्षण किए जाने पर, मीना को निकट के एक उप-स्वास्थ्य केंद्र में नामांकित किया गया। प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम और आशा कार्यकर्ता ने यह सुनिश्चित किया कि उसे निःशुल्क हाइड्रोक्सीयूरिया औषधि समय पर मिलती रहे, जिससे सिकल सेल रोग के लक्षणों में उल्लेखनीय कमी आई। आज, मीना पहले से कहीं अधिक स्वस्थ है और अपने समुदाय में आनुवंशिक रोगों के परामर्श में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। स्क्रीनिंग प्रयासों में तेज़ी लाने के लिए, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा अनुमोदित पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक उपकरणों को लगाया गया है। शुरुआत में इनकी संख्या केवल तीन तक सीमित थी, जो अब बढ़कर 30 से अधिक हो गई है। इससे प्रति किट लागत ?100 से घटकर ?28 हो गई है। इस पहल ने एससीडी के लिए लागत-प्रभावी और कुशल डायग्नोस्टिक क्षमताएँ सुनिश्चित की हैं। इस मिशन का कार्यान्वयन केवल स्क्रीनिंग पर केंद्रित नहीं है; यह एससीडी से पीड़ित व्यक्तियों की समग्र देखभाल को भी प्राथमिकता देता है। मिशन के अंतर्गत प्रबंधन हस्तक्षेपों में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ, आवश्यक दवाओं और निदान तक पहुँच शामिल है। सिकल सेल रोग के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख दवा, हाइड्रॉक्सीयूरिया, को राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची (ईडीएल) में शामिल किया गया है और अब यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप-स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध है, जिससे अंतिम व्यक्ति तक इसकी पहुँच सुनिश्चित होती है। यह मिशन सिकल सेल रोग के उन्मूलन की प्रमुख रणनीतियों के रूप में आनुवंशिक परामर्श और जन जागरूकता पर भी ज़ोर देता है। अब तक 2.62 करोड़ से अधिक आनुवंशिक स्टेटस कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे लोगों को उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्राप्त हुई है।

आरक्षण में क्रीमी लेयर पर राजनीतिक दलों की चुप्पी

संभव है कि संसद में इस समिति की सिफारिश मानते हुए आय सीमा बढ़ा दी जाए। इस पर शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐतराज करे। राजनीतिक दलों में इतना साहस ही नहीं है कि आरक्षण की सीमा तय करने और उसके प्रभावों पर किसी तरह की चर्चा करें।

योगेंद्र योगी

देश में आरक्षण एक ऐसा मुद्दा है, जिसे हर राजनीतिक दल लपकने को तैयार रहता है। राजनीतिक दलों को लगता है कि बहुआयामी विकास के मुद्दे के बजाए आरक्षण की पैरवी करके सत्ता पाना ज्यादा आसान है। इसके लिए नेता किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहते हैं। यहां तक कि अदालतों के निर्णयों को भी चुनौती देने में पीछे नहीं रहते। नेताओं की दिलचस्पी आरक्षण को बढ़ाने में रहती है। आरक्षण की जरूरत है या नहीं, इस पर चर्चा तक करने से कतराते हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा से संबंधित को संसदीय समिति की आठवीं रिपोर्ट में आय सीमा को बढ़ाने की सिफारिश की है।

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि आय सीमा को 6.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये प्रति वर्ष करने संबंधी संशोधन 2017 में किया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के अनुसार, इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या जरूरत पडने पर उससे पहले भी की जानी चाहिए। भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति ने कहा कि वर्तमान सीमा कम है, जिसके दायरे में ओबीसी का केवल एक छोटा सा हिस्सा आता है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और निम्न आय वर्ग की बढ़ती आय के कारण इसमें वृद्धि करना समय की मांग है।

संभव है कि संसद में इस समिति की सिफारिश मानते हुए आय सीमा बढ़ा दी जाए। इस पर शायद ही कोई राजनीतिक दल ऐतराज करे। राजनीतिक दलों में इतना साहस ही नहीं है कि आरक्षण की सीमा तय करने और उसके प्रभावों पर किसी तरह की चर्चा करें। इसके विपरीत आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा रहती है। यही वजह है कि जब-जब आरक्षण में क्रीमी की पहचान कर अलग करने की बात की जाती है, तब राजनीतिक दलों को काठ मार जाता है। क्रीमी लेयर के मुद्दे पर चर्चा से सभी राजनीतिक दल भयभीत रहते हैं कि कहीं उनका वोट खिसक नहीं जाए। आरक्षित वर्ग के हित में होने के बावजूद कोई भी राजनीतिक दल क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करना तो दूर, बल्कि इस पर सार्वजनिक तौर पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। जबकि यदि क्रीमी लेयर की पहचान कर उसे आरक्षण से बाहर कर दिया जाए तो आरक्षण से वंचित उसी वर्ग के लोगों को इसका फायदा मिल सकेगा।

संसदीय समिति की जो रिपोर्ट संसद में रखी

गई है, उसमें अन्य पिछड़ा वर्ग की आय सीमा बढ़ाने की सिफारिश तो गई है किन्तु क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया गया है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के पुनर्विचार निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2024 में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया, जिसमें राज्यों को आरक्षण के संबंध में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) जैसे आरक्षित श्रेणी समूहों को उप-वर्गीकृत करने का अधिकार दिया गया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि एसटी-एसटी क्रीमीलेयर को लेकर रिजर्वेशन में कैटेगरी बनाई जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय में कहा गया कि क्रीमी लेयर सिद्धांत, जो पहले केवल अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) पर लागू होता था (जैसा कि इंद्रा साहनी मामले में उजागर किया गया था) अब एससी और एसटी पर भी लागू होना चाहिए। इसका मतलब है कि राज्यों को एससी और एसटी के भीतर क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए। उसे आरक्षण के लाभ से बाहर करना चाहिए। अदालत ने कहा कि आरक्षण केवल पहली पीढ़ी तक ही सीमित होना चाहिए। यदि परिवार में किसी पीढ़ी ने आरक्षण का लाभ ले लिया है और उच्च दर्जा प्राप्त कर लिया है, तो आरक्षण का लाभ तार्किक रूप से दूसरी पीढ़ी को उपलब्ध नहीं होगा। इस निर्णय में विभिन्न राज्यों के कानूनों को बरकरार रखा गया, जिन्हें पहले रद्द कर दिया गया था, जैसे कि पंजाब और तमिलनाडु के कानून, जो राज्यों को एससी और एसटी समूहों के भीतर उप-श्रेणियां बनाने की अनुमति देते हैं। अर्थात राज्य मौजूदा आरक्षण के दायरे में ही अति पिछड़ों की पहचान कर उसे अलग से आरक्षण दे सकते हैं। इस पर भी ज्यादातर राज्य खामोश हैं। उन्हें लगता है इससे जिस वर्ग का आरक्षण कम हुआ है, वह नाराज नहीं हो जाएगा और वोट नहीं देगा। ऐसा करने से कहीं उस वर्ग का वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक जाए, यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को एक साल होने के बाद भी ज्यादातर राज्यों ने आरक्षित दायरे में अति पिछड़ों की पहचान कर उन्हें अलग से आरक्षण देने की कवायद तक नहीं की।

क्रीमी लेयर को आरक्षण के दायरे से बाहर करने के सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर देश के किसी भी राजनीतिक दल और सरकारों ने चर्चा तक नहीं की। जबकि कोर्ट का साफ कहना था कि क्रीमी लेयर को हटाने से उसी वर्ग के वंचित लोगों को आरक्षण का फायदा मिल सकेगा। राजनीतिक दलों ने पहले कभी ओबीसी के क्रीमी लेयर का जिक्र तक नहीं किया, सुप्रीम कोर्ट ने इसमें एससी-एसटी को भी शामिल कर लिया। यह मुद्दा नेताओं के लिए अत्यधिक ज्वलनशील हो गया। क्रीमी लेयर को हटाना तो दूर रहा कोई इसके दायरे पर बहस तक करने को तैयार नहीं है। इसके विपरीत राजनीतिक दल आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने पर तत्पर हैं।

नेताओं को लगता है कि आरक्षण की सीमा में नए वर्गों को शामिल करने से उनका वोट बैंक मजबूत होगा। यह अलग बात है कि आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को हटाने के उनके मंसूबों को सुप्रीम कोर्ट ने सफल नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को यह घोषणा की थी कि आगामी जनगणना के साथ-साथ जाति गणना भी की जाएगी। इसके तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में कोटा पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की अपनी मांग दोहराई। राहुल गांधी ने कहा, ₹रिजर्वेशन पर 50 प्रतिशत की सीमा हमारे देश की प्रगति और पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों की प्रगति में बाधा बन रही है और हम चाहते हैं कि इस बाधा को समाप्त किया जाए।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने भी 50 प्रतिशत कोटा सीमा का हवाला देते हुए आरक्षण के प्रयासों को खारिज कर चुका है। आरक्षण का दायरा बढ़ाने की पैरवी करने वाले राहुल गांधी ने एक बार भी क्रीमी लेयर को हटाने की बात नहीं कही। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों को लगता है कि आरक्षण का दायरा बढ़ा कर वोट बैंक बढ़ाना ज्यादा आसान है। इसके विपरीत देश में विकास, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चुनाव जीतना आसान नहीं हैं। यही वजह है राजनीतिक दल आरक्षण का कई पीढियों से लगातार फायदा ले चुके वर्ग को भी आरक्षण के दायरे से बाहर करने से कतराते रहे हैं। बेशक इससे दूसरे आरक्षित वर्ग का हिस्सा हड़पा जाता रहे।

अजब-गजब

ना जाना पड़े जेल इसलिए महिला ने किया खेल, 4 सालों में 3 बार हो गई गर्भवती, ऐसे हुआ खुलासा

प्रेगनेंसी एक ऐसा दौर है, जिसमें महिलाओं को खास देखभाल की जरूरत होती है। जिस कारण कई देशों में इसको लेकर अलग-अलग कानून भी बनाए गए हैं। अक्सर डॉक्टर ऐसा कहते हैं कि एक स्वस्थ बच्चे को जन्म देने के लिए पिछली और अगली प्रेगनेंसी में 18 से 24 महीनों का अंतर होना चाहिए। हालांकि कुछ लोग होते हैं, जो इन बातों को दरकिनार करके सिर्फ अपने फायदे के बारे में सोचा और 4 सालों में तीन बच्चों की मां बन गई। ये कहानी जब लोगों के बीच सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया।

मामला चीन के शांक्सी प्रांत का है, जहां साल 2020 में चेन होंग नाम की महिला को 5 सालों के लिए जेल की सजा सुनाई गई, लेकिन वो इस सजा बचने के लिए हर साल प्रेग्रेंट होती रही। दरअसल, चीन के कानून के अनुसार यदि कोई महिला गर्भवती हो या बच्चे को दूध पिला रही हो, तो उसे जेल में कैद करने के बजाय घर पर ही सजा काटने की अनुमति दी जाती है। चेन ने इसी का फायदा उठाया और हर बार सजा से बचने के लिए गर्भवती हो जाया करती थी। जिससे वो अपनी कैद को टाल सके।

मई में हुई एक नियमित जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि उसने तीसरे बच्चे को जन्म दिया है, लेकिन उस बच्चे का रजिस्ट्रेशन उसकी भाभी के नाम पर है। जिसका मतलब यह था कि कागजों पर बच्चा उसकी भाभी का था। इसके बाद जांच शुरू हुई और चेन ने पाया कि वह तलाकशुदा है। उसके पहले दो बच्चे उसके पूर्व पति के पास रहते हैं, जबकि तीसरे बच्चे को उसने अपने पूर्व पति की बहन को दे दिया।

ऐसे में अधिकारियों को संदेह हुआ कि चेन होंग जानबूझकर गर्भवती होकर सजा से बचने का तरीका अपना रही है। इसके बाद सिफारिश की गई कि उसे अब जेल भेजा जाए, चूंकि उसकी पांच साल की सजा में केवल एक साल से भी कम समय बच गया है, इसलिए उसे सीधे जेल भेजने के बजाय एक हिरासत केंद्र में रखा गया, ताकि वह बाकी की सजा पूरी कर सके।

अधिकारियों ने उसके साथ बैठकर कानून की जानकारी दी और समझाया कि उसे अब कानूनी दायित्वों का पालन करना होगा।चेन होंग का मामला पहला नहीं है, इससे पहले भी एक महिला जेंग ने इसी तरह का तरीका अपनाया था। उसे 2005 में भ्रष्टाचार के लिए उम्रकैद की सजा हुई थी, लेकिन उसने दस साल में कुल 14 गर्भधारण का दावा किया, जिनमें से 13 सही पाए गए।

ब्लॉग

उपराष्ट्रपति चुनाव को राष्ट्रवाद बनाम धर्मनिरपेक्षता की सियासी लड़ाई बनाने के रणनीतिक मायने

कमलेश पांडे

उपराष्ट्रपति पद के लिए अब एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों तरफ से उम्मीदवारों का ऐलान हो चुका है। एनडीए ने जहां महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया है, वहीं उनसे मुकाबले के लिए इंडिया ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। इस प्रकार एक तरफ जहां मोदी ने एनडीए उम्मीदवार की तारीफ करते हुए कहा है कि राधाकृष्णन सियासी खेल नहीं करते हैं, बल्कि सुलझे हुए राजनेता हैं। वहीं, दूसरी तरफ विपक्ष ने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार रेड्डी को गैरराजनीतिक चेहरा बताते हुए कहा है कि मौजूदा चुनाव विचारधारा (संघ बनाम प्रगतिशील) की लड़ाई है। साधारण भाषा में कहें तो उपराष्ट्रपति चुनाव को भी राष्ट्रवाद बनाम धर्मनिरपेक्षता की सियासी लड़ाई का नया अखाड़ा बना दिया गया है, जिसके रणनीतिक मायने भी दिलचस्प हैं।

यूँ तो संख्या बल में एनडीए यानी सत्ता पक्ष का पलड़ा भारी है, लेकिन यह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतीकात्मक प्रतीत होता है। देखा जाए तो अपने-अपने सियासी अहम के सवाल पर विभाजित विपक्ष ने भी पुनः एकजुटता प्रदर्शित करते हुए एक मजबूत प्रत्याशी उतारकर सत्तापक्ष को यह संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री हैंड नहीं देने जा रहा है। उसके इस कदम से विपक्ष को फायदा हो या न हो, लेकिन एनडीए में शामिल दलों की पूछ परख बढ़ जाएगी। वहीं, किसी भी सहयोगी ने यदि थोड़ा सा घात कर दिया तो फिर सत्ता पक्ष की किरकिरी भी हो सकती है। यही वजह है कि मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव के दृष्टिगत कतिपय सवाल खड़े हो रहे हैं- खासकर उम्मीदवार चयन को लेकर। सर्वप्रथम तो यह कि जिस तरह से दोनों केंद्रीय सियासी गठबंधनों ने अपने-अपने उम्मीदवार के नाम दक्षिण भारत से दिए हैं, उससे भी उत्तर भारत के राजनेता ठगे रह गए हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वसम्मति से एनडीए कैंडिडेट बने राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेड्डी तेलंगाना (पुराने आंध्रप्रदेश) से। लिहाजा, दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से होना महज सियासी संयोग नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे दोनों प्रतिस्पर्धी राजनीतिक गठबंधनों की कोई सुनियोजित राजनीतिक योजना है और इसी वजह से यह चुनाव और भी अधिक दिलचस्प हो जाता है। दूसरा, विपक्षी दल एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार रेड्डी की लड़ाई को विचारधारा यानी धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई बता रहे हैं। क्योंकि उनका कहना है कि जब एनडीए संघ के आदमी पर भरोसा कर रहा है तो वो एक प्रोग्रेसिव विचारधारा यानी धर्मनिरपेक्ष उम्मीदवार को सामने रख रहे हैं। जिस तरह से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गठबंधन के

सभी दलों के प्रतिनिधियों के साथ मंच से एक संक्षिप्त से नोट पढ़कर इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार रेड्डी के नाम का ऐलान किया, वह खासा अहम है।

जैसा कि खरगे ने कहा है कि सभी दलों ने सर्वसम्मति से रेड्डी की उम्मीदवारी पर मुहर लगाई है। यह विपक्षी एकता के लिहाज से लोकतंत्र के लिए एक बड़ा क्षण है। लिहाजा, उन्होंने रेड्डी को राजनीतिक न्याय का चैंपियन करार दिया। जबकि मंच से ही टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि इस फैसले में आम आदमी पार्टी भी ब्लॉक के साथ है। बताया गया है कि इंडिया ब्लॉक के अंदर सभी दलों के साथ इस मसले पर गत सोमवार और मंगलवार सुबह अनौपचारिक बातचीत हुई थी।

दरअसल, इस पूरी प्रक्रिया में चार-पांच नामों को लेकर सोमवार को चर्चा भी हुई, पर वह किसी ना किसी वजह से पूरे मापदंड पर खरे नहीं उतर पा रहे थे। इसी दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व निदेशक और तमिलनाडु से आने वाले माइलस्वामी अन्नादुरई और सामाजिक कार्यकर्ता तुषार गांधी के नामों पर चर्चा की। जब इन अहम नामों पर भी आम सहमति नहीं बन पाई, तब मंगलवार दोपहर को खरगे की ओर से सभी घटकों के नुमाइंदों के सामने रेड्डी का नाम सामने रखा गया, जिस पर किसी की ओर से आपत्ति नहीं जताई गई। बताया जाता है कि रेड्डी का नाम कांग्रेस शासित तेलंगाना की सोशल इंजीनियरिंग से भी जुड़ा रहा है। वहां की सरकार ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण के डेटा के विश्लेषण के लिए जिस पैनल का गठन किया था, उसकी अगुआई रेड्डी ने ही की है। वहीं, टीएमसी जैसे दलों की ओर से यह साफ कर दिया गया था कि इंडिया ब्लॉक की ओर से उम्मीदवारी में जो भी व्यक्ति सामने आए, वह गैर राजनीतिक हो। इसलिए रेड्डी के नाम पर आम सहमति बन गई।

बताया जाता है कि टीएमसी नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमिलनाडु के नेता स्टालिन से कहा था कि चुनाव को तमिलनाडु बनाम तमिलनाडु बनाने का अच्छा संकेत नहीं जाएगा। फिर बात आई कि बिहार या उत्तर प्रदेश के किसी व्यक्ति को चुना जाए। इस पर कहा गया कि इसे बीजेपी दक्षिण में भुना लेगी। फिर छोटे राजनीतिक नाम से भी परहेज करने पर सहमति बनी। तब सबमें सहमति जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के नाम पर हुई। इससे कांग्रेस को लगता है कि वह इस नाम को पेश कर आंध प्रदेश में भी अपनी साख जमा सकती है।

चूंकि, विपक्ष गठबंधन की दक्षिणी राज्यों के दलों पर भी नजर है। विपक्ष के एक नेता ने कहा भी है कि उन्हें उम्मीद है कि वाईआरसीपी अब अपने रुख पर फिर से विचार करेगा। बता दें कि वाईआरएसीपी ने गत सोमवार को ही घोषणा की है कि वह उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन का समर्थन करेंगे। इसे विपक्ष राधाकृष्णन की उम्मीदवारी का काउंटर मान रही है, जिसके जरिए एनडीए, डीएमके जैसे दलों को सोच में डालना चाहता है।

तीसरा, बीजेपी नीत एनडीए के लिए दक्षिण भारत में अपनी जड़ें जमाना अब भी मुश्किल भरा कार्य है। चूंकि कर्नाटक में उसकी जमी-जमाई सियासी जड़ें भी सूखती चली गई, इसलिए उसकी राजनीतिक मुश्किलों को समझा जा सकता है। जबकि विपक्ष की सियासत के लिए दक्षिण भारत शुरू से ही एक ऐसा उर्वर राजनीतिक मैदान, रहा है, जहां से उसने भाजपा को सदैव मजबूत चुनौती पेश की है। इसलिए कहा जा सकता है कि जारी उपराष्ट्रपति चुनाव में इस पद के लिए घोषित उम्मीदवार रेड्डी पूर्व निर्धारित सियासी लड़ाई का विस्तारित रूप ही है।

खासकर जिस तरह से एनडीए सहयोगी टीडीपी ने इंडिया ब्लॉक प्रत्याशी राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका प्रभावी असर भी अब सत्ता पक्ष की रणनीति पर साफ-साफ दिखने भी लगा है और प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों से भी उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए प्रत्याशी राधाकृष्णन के लिए सहयोग मांगा है। उनके लिए खुशी की बात यह है कि इंडिया ब्लॉक के डीएमके ने एनडीए प्रत्याशी राधाकृष्णन का समर्थन करने का फैसला किया है।

इसलिए कहा जा रहा है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए हो रहा चुनाव दोनों केंद्रीय सियासी गठबंधनों के लिए मौका और चुनौती दोनों लेकर आया है। अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिलाकर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। जबकि एनडीए के पास 422 का संख्या बल है। चूंकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुप्त मतदान द्वारा होता है और सदस्य पार्टी व्हिप से नहीं बंधे होते हैं। इसलिए सरकार और विपक्ष, दोनों के शक्ति प्रदर्शन के लिए यह मौके के साथ साथ चुनौती भी है।

यही वजह है कि दोनों राजनीतिक गुट की तरफ से अपने अपने समर्थन का दायरा बढ़ाने की कोशिश हो रही है। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दलों पर एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों की नजरें होंगी। बताया जा रहा है कि मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव में वैचारिक टकराव भी बढ़ेगा, क्योंकि उपराष्ट्रपति का पद किसी पार्टी का नहीं होता। इसलिए यदि इसकी गरिमा को देखते हुए अगर सर्वसम्मति से किसी को चुना जाता, तो ज्यादा अच्छा रहता। हालांकि अभी की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसी संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आती है। देश में पिछले कुछ बरसों से जिस तरह का तनातनी भरा राजनीतिक माहौल है, उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष ज्यादातर मौकों पर दो विपरीत ध्रुवों पर नजर आते हैं। वहीं, जिन मामलों में सदन में सहमति की मांग थी, वहां भी सहमति नहीं बल्कि असहमति दिखी। जबकि यह तो चुनाव तय ही था, जहां वैचारिक लड़ाई व उससे निकलने वाला अंजाम दोनों ही महत्वपूर्ण है। चूंकि उपराष्ट्रपति का पद राज्यसभा के सभापति के दृष्टिगत एक अहम जिम्मेदारी भी समझी जाती है। इसलिए इस पद के इर्द-गिर्द हाल के महीनों में बहुत असाधारण हलचल देखने को मिली है। यही वजह है कि निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जिन हालात में और जैसे गए, उसे तो कदापि अच्छा नहीं कहा जा सकता है। इसलिए उम्मीद की जाती है कि यह चुनाव बेहतर माहौल में और इस पद के सम्मान को देखते हुए उसके हिसाब से लड़ा जाएगा। जीत जिसकी भी हो, उस पर लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की अहम जिम्मेदारी होगी। फिर भी यह सवाल मौजूं है कि एक देश, एक चुनाव का नारा देने वाली भाजपा व उसके सहयोगियों ने देश पर यह चुनाव असमय क्यों थोपा?

असम के सब्सिडी वाले ट्रैक्टर यूपी में लाकर बेच देते, 3 अरेस्ट; कैसे होता था तस्करी का ये खेल?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। असम राज्य से कंटेनर में लोड कर अवैध तरीके से लाए गए 6 ट्रैक्टरों के साथ मुरादाबाद की पकबाड़ा पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन ट्रैक्टरों को सहारनपुर में बेचने की योजना थी। इससे पहले भी आरोपी इसी तरह 6 ट्रैक्टर मंगवाकर मुजफ्फरनगर में बेच चुके थे। असम में किसान फाइनेंस पर ट्रैक्टर लेते हैं, लेकिन जब वो समय पर किश्तें नहीं चुका पाते तो कुछ बिचौलिए उनसे ट्रैक्टर कम कीमत पर खरीद लेते हैं।

इसके बाद असली मालिक थाने में चोरी की तहरीर दर्ज कराते हैं। इन ट्रैक्टरों के नंबर बदलकर और नकली कागजात तैयार कर यूपी लाकर मोटे दामों में बेच दिया जाता है। मुरादाबाद की पकबाड़ा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि हाईवे पर स्थित सिंह ढाबा पर दो कंटेनरों

में बाहर से लाए गए ट्रैक्टरों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई जा रही है।

कोई वैध दस्तावेज नहीं दे पाए आरोपी

इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर से मोहम्मद रिजवान, आशीष मल्होत्रा और मोहम्मद जुनैद को पकड़ लिया। जब उनसे दस्तावेज मांगे गए तो वो कोई वैध कागज प्रस्तुत नहीं कर पाए। पूछताछ में आशीष ने बताया कि वह सहारनपुर का रहने वाला है और वहीं उसका ट्रैक्टर गैराज है। असम में उसके कुछ लोगों से संपर्क हैं, जिनकी मदद से वह ट्रैक्टर गुवाहाटी से कंटेनरों के जरिए लाता था और बाद में नंबर प्लेट बदलकर सहारनपुर और मुजफ्फरनगर में बेच देता था।

जांच में सामने आया कि असम के किसान सरकारी सब्सिडी और फाइनेंस पर ट्रैक्टर खरीदते हैं। जब किश्तें अटक जाती हैं या सब्सिडी का पैसा खाते में आने के बाद फाइनेंस कंपनी जब्ती की कार्रवाई करती है, तो वहां के दलाल किसानों से यह ट्रैक्टर कम दाम पर खरीद लेते हैं। इसके बाद आरोपी इन्हें बिना विक्रय पत्र और मूल कागजात के उठा लाते हैं और नकली दस्तावेज तैयार कर यूपी में अधिक कीमत पर बेचकर फायदा कमाते हैं।

क्या है असम ट्रैक्टर योजना?

असम राज्य सरकार ने किसानों के लिए मुख्यमंत्री समग्र ग्राम्य उन्नयन योजना (सीएमएसजीयूवाई) के अंतर्गत ट्रैक्टर वितरण योजना शुरू की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करना और किसानों की आय दोगुनी करने में मदद करना है। नई संशोधित ट्रैक्टर योजना के तहत, सरकार प्रत्येक राजस्व गांव में एक ट्रैक्टर और कुछ आवश्यक सामान रियायती दरों पर उपलब्ध कराएगी। राज्य सरकार पहले चरण में लगभग 10,109 ट्रैक्टर वितरित करेगी। यह ट्रैक्टर वितरण योजना चरणबद्ध तरीके से पूरे राज्य के सभी 26,000 गांवों को कवर करेगी।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने क्या बताया?

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि सूचना पर दबिश देकर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। आशीष ने कबूल किया कि उसने 9 लाख रुपये में 6 ट्रैक्टर खरीदे थे और योजना थी कि सहारनपुर में इन्हें नकली कागज बनवाकर 2 से 2।5 लाख रुपये प्रति ट्रैक्टर में बेचा जाए। पुलिस ने मौके से ACE DI 350 NG, NEW HOLLAND 3600, MAHINDRA 555 DI Power, Mahindra YUVO 575 DI, Shaktimaan-45 और MAHINDRA 575 DI बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पकबाड़ा थाने में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही, एक टीम को असम भेजा गया है ताकि पूरे रैकेट का पर्दाफाश किया जा सके।

कौन कर सकता है आवेदन

असम ट्रैक्टर योजना का लाभ व्यक्तिगत रूप से नहीं उठाया जा सकता है। एक ही गांव के 8-10 किसानों का एक ग्रुप इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। ग्रुप के पास एक सामान्य बैंक खाता होना चाहिए। आवेदन पत्र पर खेती की जमीन के विवरण के साथ ग्रुप के सभी किसानों के हस्ताक्षर होने चाहिए। ग्रुप में एक परिवार से एक से अधिक सदस्य नहीं हो सकता।

कितनी है सब्सिडी

चयनित समूहों को ट्रैक्टर इकाई के क्रय मूल्य पर 70 फीसदी अनुदान (अधिकतम 5।5 लाख रुपये) प्रदान किया जाएगा। 20 फीसदी राशि बैंक द्वारा ऋण के रूप में प्रदान की जाएगी। साथ ही शेष 10 फीसदी का आवेदक सदस्य समूह द्वारा भुगतान किया जाएगा।

प्रभु झूलेलाल महोत्सव कार्यक्रम धूम धाम से मना

गोण्डा। जनपद मुख्यालय पर चल रहे श्री झूलेलाल महोत्सव में रॉयल मैरिज हॉल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले प्रभु झूलेलाल की आरती की गई। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की गई। इसके पश्चात उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी के निदेशक अभिषेक कुमार (अखिल) को सिंधी समाज के मुखिया जयरामदास लधवानी एवं मथुरादास लधानी ने शाल पहनाकर स्वागत किया। उसके बाद सिंधी समाज के मुखिया राजकुमार ठक्कर एवं कैलाश रायतानी ने निदेशक अभिषेक कुमार (अखिल)को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।अकादमी के रवि यादव को सिन्धी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश ठक्कर ने मोमेंटो भेंट किया। सिख समाज के प्रधान सरदार हरजीत सिंह छाबड़ा और सरदार अजीत सिंह सलूजा को यूथ ग्रुप के मयूर रायतानी , पंकज लधवानी ने पाखड़ पहन कर सम्मानित किया।

दो बाइकों की आमने सामने टक्कर में एक बच्ची सहित चार घायल

आर्यावर्त संवाददाता

नवाबगंज (गोण्डा)। थाना नवाबगंज क्षेत्रांतर्गत अयोध्या गोंडा मार्ग पर गुरुवार को नंदनी नगर महाविद्यालय के सामने दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक मासूम बच्ची सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों में से एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे अयोध्या की ओर जा रहे आदिल (25) पुत्र सईद, उनकी पत्नी शबमन बानो (23) और दो वर्षीय पुत्री नायजा बाइक पर सवार थे। इसी बीच सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार शिव शंकर गुप्ता (23) पुत्र होली गुप्ता, निवासी कोंडर थाना वजीरगंज, से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज़ थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सभी लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष अभय सिंह पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुँचे। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुँचाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि आदिल घायल हैं उनके पैर में चोट लगी है जबकि शबनम बानो और बच्ची नायजा को हल्की चोटें आई हैं। शिव शंकर गुप्ता गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज जारी है। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना दे दी है। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि अयोध्या गोण्डा मार्ग पर अक्सर हादसे होते रहते हैं। नंदनी नगर महाविद्यालय के सामने सड़क पर भीड़ और वाहनों की तेज़ रफ्तार के कारण यह क्षेत्र दुर्घटनाओं का गढ़ बन चुका है। लोगों ने कहा कि सड़क पर न तो कोई स्पीड ब्रेकर है और न ही ट्रैफिक नियंत्रण के पुख्ता इंतज़ाम। स्थानीय लोगों का कहना है कि महाविद्यालय होने की वजह से यहाँ हर समय बच्चों और अभिभावकों की आवाजाही रहती है।

2018 में भाई को मारा, पत्नी थी गवाह...अब वाइफ और तीन बेटियों को नदी में दे दिया धक्का ; मौत

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने अपनी पत्नी और तीन बेटियों की हत्या कर दी। मृतकों की पहचान सुमन और उसकी तीन बेटियों नंदनी (11) अंशिका (6) और लाडो (3) के रूप में की गई है। ये पूरा मामला जिले के मोतीनगर थाना इलाके का बताया जा रहा है। हत्या के आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम अनिरुद्ध है।

आरोपी युवक ने अपना गुनाह भी कूबूल कर लिया है। आरोपी ने 14 अगस्त को इस पूरी वारदात को अंजाम दिया। उसने अपनी पत्नी और तीनों बेटियों को लखीमपुर के खमरिया में शारदा नदी में धक्का दे दिया। आरोपी की सास मोतीनगर थाना इलाके के चौधरी गांव में रहती

हैं। उन्होंने मंगलवार को मोतीनगर थाने में तहरीर दी।

पुलिस ने मामले में की जांच के टीमें बनाईं

महिला ने अपनी तहरीर में बताया कि पकड़िया दीवान के मजरे के रमईपुरवा का रहने वाला उनका दमाद अनिरुद्ध 14 अगस्त को उनकी बेटी सुमन और तीनों नातिनों को बाइक पर अपने साथ ले गया था, लेकिन बेटी और नातिनें जब ससुराल नहीं पहुंची तो उन्होंने खोजबीन शुरू की। महिला से प्राप्त तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले में की जांच के टीमें बनाईं। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने आरोपी को गयाघाट पुल से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने सख्ती से आरोपी से पूछताछ की। तब उसने अपना गुनाह कुबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि वो पत्नी और तीनों बेटियों को बाइक से 14 अगस्त को लखीमपूर के खमरिया ने गया और वहां शारदा नदी में चारों को धक्का देकर हत्या कर दी।

पुलिस ने बरामद की ये चीजें

आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वो अपने एक साथी की सहायता से पत्नी और तीनों बेटियों लखीमपूर के खमरिया ले गया था। इसके बाद पुलिस गिरफ्तार आरोपी को घटनास्थल पर ले गई। वहां आरोपी की निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाए गए उसकी मृतक पत्नी और बेटियों के कपड़े बरामद किए। पुलिस ने छोटी बेटी की जूती और बाइक भी बरामद की। तीनों के शव अभी नहीं मिले हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी पर साल 2018 से अपने भाई की हत्या का केस भी कोर्ट में चल रहा है। मामला विचाराधीन है। आरोपी की बड़ी बेटी और उसकी पत्नी इस केस में चश्मदीद गवाह थीं। इसलिए केस में सजा से बचने और भाई की संपत्ति हासिल करने के लिए आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से उत्तर प्रदेश विधान परिषद वाराणसी खंड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदेय स्थलों के तैयारी के संबंध में चर्चा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण हेतु अर्हता की तिथि 01 नवम्बर 2025 होगी। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण प्रक्रिया प्रारम्भ होने से पूर्व खण्ड स्नातक एवं खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदेय स्थलों का निर्धारण किया जाए तथा मतदाताओं को 16 किमी से अधिक दूरी न तय करनी पड़े और मतदेय स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं हों। स्नातक एवं शिक्षक दोनों निर्वाचन हेतु उनका मतदेय स्थल एक ही स्थान पर रहे। वाराणसी खण्ड निर्वाचित वर्तमान सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 07 दिसम्बर 2026 को समाप्त हो रहा है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि स्नातक/शिक्षक मतदेय स्थानों के संबंध में राजनैतिक दल आपत्ति/सुझाव उपलब्ध करा सकते हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र, मड़हिान अविनाश कुमार, लालगंज महेन्द्र सिंह, चुनार राजेश वर्मा, भारतीय जनता पार्टी से हरिशंकर पटेल, रविशंकर पांडे महामंत्री, काँग्रेस पार्टी से छोटे खान, समाजवादी पार्टी से आदर्श यादव, आम आदमी पार्टी से सुनील पांडेय और प्रोफेसर बी0 सिंह, सीपीआईएम जिला सचिव अरविन्द कुमार सिंह, सहित अन्य राजनैतिक दलो के पदाधिकारी उपस्थित रहें।

खेती–किसानी व गांव के विकास पर हुई चर्चा, आकाशवाणी गांव की ओर पहुंची

आर्यावर्त संवाददाता

चन्दौली। जनपद के सहाबगंज विकासखंड के मुबारकपुर गांव में बुधवार को आकाशवाणी वाराणसी की तरफ से ₹आकाशवाणी गांव की ओर ₹ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह ने गांव की खेती-किसानी, पशुपालन, स्वास्थ्य सेवा एवं गांव के विकास संबंधित ग्रामीणों से चर्चा किया।गांव निवासी कमला विश्वकर्मा ने गांव के बारे में जानकारी दिया ।ग्राम प्रधान ने गांव की समस्या एवं समाधान पर अपने विचार प्रकट किया। किसान रामदुलार और कालीचरन ने तकनीकी खेती एवं आर्गेनिक खेती करने पर बल दिया। सब्जी के खेती पर शंकर प्रजापति ने अपने विचार दिया। पशुपालक मंगल यादव ने पशुओं के बारे में जानकारी दिया तथा डेयरी की सुविधा के बारे में बताया तथा उन्होंने बताया की पशुपालन से

किसान समृद्ध हो रहे है।सफाईकर्मी सुनील यादव ने स्वच्छता पर जोर दिया उन्होंने बताया कि सरकार के द्वारा संचारी रोग पखवाड़ा के अंतर्गत निःशुल्क दवा का वितरण भी किया जाता है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास रामरसीले ने आवास के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।समाजसेवी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले लोग भी अपने विचार रखें। शिक्षक डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने शिक्षा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में मुबारकपुर गांव निवासी रामजनम भारती ने विकास गीत सुनाया। इस दौरान कम्पीयर रामकृष्ण मिश्र नंदू भैया, हीरालाल यादव, उमेश चंद्र द्विवेदी, आलोक कुमार श्रीवास्तव सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

नियमित योग करने से हमारा शरीर संतुलित और स्वस्थ रहता है: योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी

गोण्डा। आवास विकास स्थित प्रेरणा पार्क में महिलाओं के उत्तम स्वास्थ हेतु नियमित रूप से संचालित योग शिविर में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने उपस्थित समस्त माताओं बहनों को योगाभ्यास करवाया और उससे होने वाले लाभ पर भी प्रकाश डाला। शिविर में उपस्थित योग साधकों ने पूर्ण उत्साह के साथ योगाभ्यास किया। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने समस्त योग साधकों को अपनी माताओं के हौसले उनके हुनर की सराहना तथा उनकी प्रेरणा बनकर आगे बढ़ने की सलाह दी।

इसी क्रम में योगाचार्य ने महिलाओं के लिए विशेष लाभकारी आसनों का अभ्यास करवाया ताड़ासन,भुजंगासन ,पूर्णततली-आसान,सूर्य नमस्कार, सूक्ष्म व्यायाम,सिंहासन के साथ-साथ कपालभाति प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम आदि का अभ्यास करवाया गया।

बैंड से हटाएं हिंदू देवी–देवताओं के नाम, मुस्लिम बैंड वालों को मिला फरमान

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद में ढाबों और रेस्तरां के बाद अब मुस्लिमों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर बैंडबाजे चलाने पर आपत्ति जताई गई है। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंची, जिसके बाद जिला पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई। पुलिस ने बैंडबाजा संचालकों को बुलाया और मुस्लिम संचालकों को निर्देश दिया कि वे अपने बैंड के नाम बदल लें। सभी संचालकों ने नाम बदलने का आश्वासन दिया है।

पाकबड़ा के निवासी वकील शेबी शर्मा ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज की थी। इसमें उन्होंने कहा कि एक विशेष समुदाय के लोग बैंडबाजे का व्यवसाय कर रहे हैं, लेकिन वो हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर बैंड का संचालन कर रहे हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने तत्काल इन नामों को

हटाने की मांग की थी। शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बाद जिला पुलिस प्रशासन हरकत में आया।

शर्मा बैंड के पार्टनर ने क्या बताया?

बैंड कंपनी चलाने वाले अकील ने बताया कि उनकी बैंड कंपनी का नाम शर्मा बैंड है। उन्होंने बताया कि किसी ने हमारे बैंड के नाम पर प्रर्थना पत्र दिया है कि हम मुस्लिम होकर हिंदू के नाम से बैंड चलाते हैं। मेरे पार्टनर का नाम वेद प्रकाश शर्मा है। वो और मैं दोनों ही इस बैंड कंपनी का संचालन करते हैं। ये शर्मा बैंड के नाम से है और 25 सालों से चल रहा है। शिकायतकर्ता को ये पता नहीं है कि वेद प्रकाश शर्मा मेरे पार्टनर हैं।

उन्होंने बताया कि हम एसपी सीटी के ऑफिस गए थे। हमने शिकयत पत्र देखा। एसपी साहब ने कहा कि इस मामले को हम देख लेंगे। वहीं मास्टर रज्जन ने कहा कि किसी वकील ने शिकायत की है। हम लोगों को एसपी सिटी साहब ने हम बैंड वालों को बुलाया था। हम सात-आठ लोग गए थे। शर्मा बैंड के ऑनर वेद प्रकाश शर्मा हैं। अकील उनके साथ पार्टनरशिप में काम कर रहे हैं। मुरादाबाद पुलिस अभी इस मामले में वीडियो बयान देने से बच रही है। हालांकि एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ऑफ दा रिकॉर्ड बताया कि दोनों पक्ष आये थे। शिकायत आईजीआरएस पोर्ट के माध्यम से उनके पास पहुंची है। मामले को अभी देख रहे हैं।

गूगल मैप्स ने फिर से दिया धोखा, लोकेशन देखते हुए जा रहे थे चार दोस्त, तालाब में गिर गई कार, फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ से अंबाला जा रहे चार दोस्तों की कार तालाब में जा गिरी। दरअसल, चारों दोस्त गूगल मैप्स की मदद से गाड़ी चला रहे थे। मगर नहीं जानते थे कि आगे क्या होना है। उनकी कार आगे जाकर तालाब में जा गिरी। गनीमत ये रही कि चारों दोस्तों ने किसी तरह कार का शीशा खोल बाहर निकल आए। इससे उनकी जान बच गई। बाद में चारों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। फिलहाल कार को तालाब से निकाला जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, कार में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के छात्र नेता सूर्या और उनके दोस्त थे। वो अंबाला के कस्बा शाहाबाद में महर्षि मारकंडेश्वर मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। मगर गूगल मैप्स के कारण वो लोकेशन भटक गए और उनकी कार तालाब

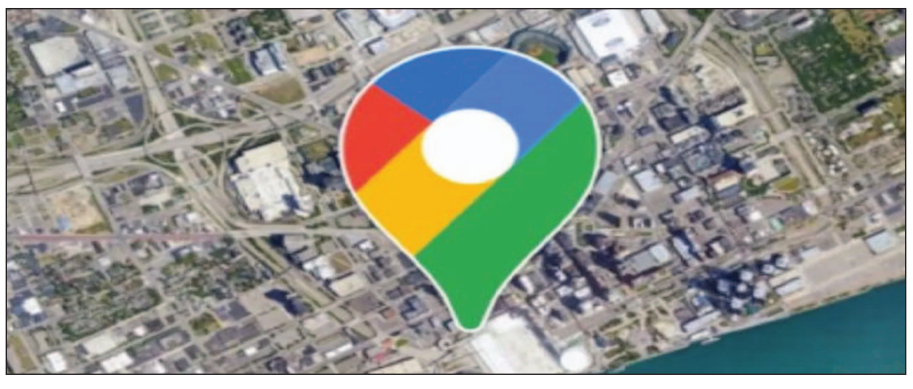

में जा गिरी। चारों ने समय रहते कार से शीशे को खोल बाहर छलांग लगा दी। घटना सरसावा इलाके की है।

बुधवार शाम मेरठ निवासी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के छात्र नेता सूर्या अपने साथी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य आदित्य, अनुज और आशुतोष के साथ अंबाला के कस्बा शाहाबाद में महर्षि मारकंडेश्वर मंदिर में दर्शन करने के लिए ब्रेजा कार से जा रहे थे। उन्होंने जब सरसावा में एंट्री की तो महर्षि मारकंडेश्वर मंदिर में जाने के लिए उन्होंने गूगल मैप में लोकेशन डाल दी। कार सवार लोकेशन के अनुसार चलते रहे।

कार के शीशे खोल निकले बाहर

उनकी कार मैप द्वारा दिखाई जा रही लोकेशन के अनुसार अंबाला रोड स्थित सिरोही पैलेस के बराबर वाले रास्ते पर टर्न हो गई। आगे जाने के बाद कार चला रहे आदित्य को आईडिया नहीं रहा और कार तालाब में जा गिरी। कार से शीशे नीचे कर पानी में कूदेकार को डूबती देख चारों दोस्तों ने हिम्मत से काम लिया और कार के शीशे नीचे कर वह किसी तरह से पानी में कूद गए और बाहर किनारे पर आ गए।

एसडीएम ने दी पूरी जानकारी

सूर्या ने फिर इसकी सूचना डायल 112 व पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी को दी। पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीएम सुबोध कुमार व थाना अध्यक्ष विनोद कुमार ने इस घटना के बाद जानकारी देते हुए बताया कि चारों युवक सकुशल है किसी को कोई चोट नहीं आई। गूगल मैप के द्वारा रास्ता भटक जाने के कारण उनकी कार गलत दिशा में चली गई। तथा पानी से भरे तालाब में गिर गई।

युवक ने चाकू से किए ताबड़तोड़ वार, चीखें सुन दहल गया पूरा गांव ; इतनी सी थी बात

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी। यूपी के अमेठी में बृहस्पतिवार को रामराज ने खेत में काम कर रही भाभी रामा और भतीजे आकाश पर चाकू से हमला करके हत्या कर दी। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग निकला। सूचना पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली है।

घटना मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के रुदौली गांव की है। सुबह रामा (45) अपने बेटे आकाश (18) के साथ खेत में काम कर रही थी। इसी समय देवर रामराज चाकू लेकर पहुंचा। वह जमीन को लेकर उनसे रंजिश मानता था। उसने चाकू से भाभी और भतीजे पर हमला कर दिया।

दोनों लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। ग्रामीण दोनों को लेकर

सीएचसी, मुसाफिरखाना पहुंचे। वहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। उधर वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग निकला।

सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी विवेक सिंह ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य संकलित किए हैं। सीओ अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ओवरथिंकिंग की आदत किस तरह हार्मोन्स को करती है इफेक्ट?

आज के समय में हर कोई ऑफिस और पर्सनल कामों को लेकर काफी स्ट्रेस में रहता है। लेकिन कुछ लोग हर छोटी से छोटी बात को लेकर बहुत ज्यादा सोचते हैं, जिसे ओवरथिंकिंग भी कहा जाता है। लेकिन इसके कारण हमारी सेहत पर काफी बुरा प्रभाव भी पड़ता है। आइए जानते हैं ओवरथिंकिंग के कारण शरीर के हार्मोन पर क्या इफेक्ट पड़ता है।

आज के समय में हार्मोन इंबैलेंस की समस्या बहुत लोगों में देखने को मिल रही है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में किसी हार्मोन का स्तर सामान्य से ज्यादा या फिर कम हो जाता है। इसके कारण मेंटल और फिजिकल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। यहां तक कि पिंपल्स और मूड खराब होने जैसी परेशानियां भी होती है। हार्मोन इंबैलेंस का सबसे बड़ा कारण हमारा बिगड़ता लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की आदत होती है।

लोग अपने काम और पर्सनल लाइफ को मैनेज करने और कई बातों का स्ट्रेस बहुत लेते हैं। हर किसी की लाइफ में परेशानी होती है, कई लोग उसका सामना हस कर करते हैं, तो कई लोग उसी के बारे में दिन रात सोचते रहते हैं। हर बात चाहे वो जरूरी हो या फिर नहीं। उसके बारे में बहुत सोचते हैं, जिसे ओवरथिंकिंग भी कहा जाता है। इसका असर भी हमारे शरीर पर पड़ता है। आइए जानते हैं एक्सपर्ट से कि ओवरथिंकिंग किस तरह से हार्मोन्स को इफेक्ट करती है।

क्या कहती हैं एक्सपर्ट?

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट में सीनियर कंसल्टेंट, साइकोलॉजी डॉक्टर प्रशांत गोयल ने बताया कि ओवरथिंकिंग यानी बार-बार एक ही बात पर सोचते रहना हमारे शरीर के हार्मोन्स पर बुरा असर डालता है। जब लगातार या लंबे समय से स्ट्रेस में रहते हैं, तो हमारे शरीर में कॉर्टिसोल नाम का हार्मोन बढ़ जाता है, जिसे तनाव हार्मोन भी कहा जाता है। यह हार्मोन शरीर को सतर्क रहने में मदद करता है, लेकिन अगर यह लंबे समय तक ज्यादा मात्रा में बना रहे तो यह सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

कॉर्टिसोल के बढ़ने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, भूख में बदलाव आता है और वजन बढ़ने या घटने की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, तनाव से इंसुलिन हार्मोन प्रभावित होता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल इंबैलेंस हो जाता है। ओवरथिंकिंग के कारण शरीर में एड्रेनालाईन भी बढ़ता है, जिससे हार्ट की धड़कन तेज हो जाती है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसके अलावा मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ सकता है। हार्मोन्स के असंतुलन से तनाव, चिंता, और डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए ओवरथिंकिंग को कम करना चाहिए।

एक्सपर्ट का कहना है किओवरथिंकिंगको कंट्रोल करने के लिए रिलैक्सेशन, मेडिटेशन या व्यायाम करना चाहिए। इससे कई बीमारियों से बचाव हो सकता है। क्योंकि स्ट्रेस और हार्मोनल इंबैलेंस सेहत से जुड़ी कई बीमारी का कारण बन सकता है। इसके साथ ही बैलेंस डाइट लें और रोजाना रात में सही समय पर 7 से 8 घंटे की नींद जरूर पूरी करें।

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए जरूरी हैं ये 5 विटामिन, डाइट में करें शामिल

बालों की तेजी से वृद्धि के लिए विटामिन्स अहम भूमिका निभाते हैं। ये न केवल बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि उन्हें चमकदार और स्वस्थ भी रखते हैं। विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-सी, विटामिन-डी और विटामिन-ई बालों की बढ़त के लिए जरूरी हैं। इन विटामिन्स के सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं। आइए जानते हैं कि बालों को तेजी से बढ़ाने के लिए किन विटामिन्स का सेवन करना चाहिए।

विटामिन-ए

विटामिन-ए बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। गाजर, पालक, कद्दू और आम जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-ए से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-ए की गोलियों का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-बी

विटामिन-बी बालों की बढ़त के लिए बहुत जरूरी है। यह बालों की जड़ों तक खून का संचार बढ़ाता है जिससे बाल तेजी से बढ़ते हैं। दही, हरी सब्जियां और साबुत अनाज विटामिन-बी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप केले, एवोकाडो और बादाम जैसे खाद्य पदार्थों का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-बी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-सी

विटामिन-सी एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। संतरा, नींबू, अमरूद और स्ट्रॉबेरी जैसे फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

विटामिन-डी

विटामिन-डी बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन पहुंचाता है जिससे वे स्वस्थ रहते हैं और तेजी से बढ़ते हैं। धूप में बैठना या विटामिन-डी की गोलियां लेना इसके लिए अच्छा होता है। दूध, संतरे का रस और मशरूम भी विटामिन-डी के अच्छे स्रोत होते हैं। इसके अलावा आप मछली के तेल का भी सेवन कर सकते हैं। विटामिन-डी के नियमित सेवन से बालों की गुणवत्ता में सुधार होता है और वे टूटने से भी बचते हैं।

विटामिन-ई

विटामिन-ई एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है जो बालों को मजबूत बनाता है और उन्हें टूटने से बचाता है। यह सिर की त्वचा को ताजा रखता है और बालों को नमी प्रदान करता है। बादाम, सूरजमुखी के बीज, पत्तेदार सब्जियां और एवोकाडो जैसे खाद्य पदार्थ विटामिन-श्व के अच्छे स्रोत होते हैं। इनका सेवन आपके बालों की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है। इसके अलावा आप डॉक्टर की सलाह अनुसार विटामिन-ई सप्लीमेंट्स का सेवन भी कर सकते हैं।

मिनरल और केमिकल सनस्क्रीन में क्या है फर्क, आपके लिए कौन सी है बेस्ट?

सूरज की हार्मफुल किरणों से बचने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। ऐसे में घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाने के सलाह दी जाती है। इस वक्त मार्केत में भी कई तरह की सनस्क्रीन मिन रही हैं, जिसमें मिनरल और केमिकल सनस्क्रीन को लेकर कंफ्यूजन बनी रहती है। चलिए जानते हैं कि दोनों में से कौन सी बेस्ट है और दोनों के क्या फायदे और नुकसान हैं।

सनस्क्रीन हमारे स्किनकेयर का एक जरूरी स्टेप है. घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन अप्लाई करने की सलाह दी जाती है। ये आपको धूप से होने वाली टैनिंग और सनबर्न से बचाती है। साथ ही ये हार्मफुल यूवी रेज से भी त्वचा को प्रोटेक्ट करती है। मार्केट में इस वक्त कई तरह की सनस्क्रीन मिल रही है, जिसमें शामिल है मिनरल और केमिकल सनस्क्रीन। ये दोनों ही सनस्क्रीन त्वचा को सूरज की किरणों से बचाने में मदद करती है। हालांकि, इसके इंग्रेडिएंट्स अलग होते हैं।

मिनरल सनस्क्रीन में जिंक ऑक्साइड से लेकर टाइटेनियम डाइऑक्साइड जैसे इंग्रिडियंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, केमिकल सनस्क्रीन में Avobenzone, Oxybenzone, Octinoxate का इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लोगों को लगता है कि, मिनरल सनस्क्रीन में किसी भी प्रकार का केमिकल यूज नहीं किया जाता है। हालांकि, ये सच नहीं है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि मिनरल सनस्क्रीन केमिकल सनस्क्रीन से कितनी अलग है, दोनों में से आपके लिए कौन सी बेस्ट है?

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

ब्रिटेन के न्यूकैसल विश्वविद्यालय में त्वचा विज्ञान में फोटोबायोलॉजी के एमेरिटस प्रोफेसर ब्रायन डिफी कहते हैं कि, हर चीज में केमिकल होता है। ऐसे में हम ये तय नहीं कर सकते हैं कि मिनरल सनस्क्रीम पूरी तरह से केमिकल फ्री है। मिनरल सनस्क्रीन में इस्तेमाल होने वाले जिंक और टाइटेनियम डाइऑक्साइड भी एक तरह के केमिकल ही हैं।

मिनरल सनस्क्रीन क्या होती है?

मिनरल सनस्क्रीन को ऑर्गेनिक और फिजिकल सनस्क्रीन भी कहा जाता है। इसका टेक्चसर गाढ़ा होता है। ये सनस्क्रीन मिनरल सी बनी होती है, जो सूरज से निकलने वाली उल्टावालेट लाइट से त्वता को बचाने का काम करती है। इस सनस्क्रीन में जिंक ऑक्साइड और टाइटेनियम डाइऑक्साइड जैसे इंग्रिडियंट्स मिलाए जाते हैं, जो सूरज की किरणों के लिए शील्ड का काम करते हैं। मिनरल सनस्क्रीन त्वचा पर लगाते ही अपना असर दिखाना शुरू कर देती है।

केमिकल सनस्क्रीन कैसी होती है?

केमिकल सनस्क्रीन में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। ये त्वचा को सन प्रोटेक्शन देती है। यूवी किरणों से बचाव करती है। इसमें Avobenzone, Oxybenzone, Octinoxate जैसे केमिकल इंग्रिडियंट्स का यूज किया जाता है। इस तरह की सनसक्रीन को चेहरे पर लगाने के बाद ये जल्दी अब्जॉर्ब नहीं होते हैं और सूखने में थोड़ा समय लेती है। साथ ही कुछ देर बाद अपना असर दिखाना शुरू करती है।

मिनरल सनस्क्रीन के फायदे और नुकसान?

मिनरल सनस्क्रीन लगाने के फायदे के साथ ही कुछ नुकसान भी हैं। जैसे ये सेंसिटिव स्किन वालों के लिए बेस्ट है। इसे लगाने से इरिटेशन और एलर्जी का खतरा भी कम रहता है। इसमें हार्मफुल केमिकल का इस्तेमाल नहीं होता है। ऐसे में ये बच्चों के लिए भी सुटेबल है। जिन लोगों को एक्ने की समस्या है उनके लिए भी मिनरल सनस्क्रीन बेहतर है। ये ब्रेकआउट से बचाती है। इसकी सबसे खास बात ये है कि ये तुरंत अपना असर दिखाना शुरु कर देती है।

हालांकि, इसके कुछ नुकसान भी हैं। जैसे इसका टेक्सचर काफी गाढ़ा होता है ऐसे में ये आपकी स्किन पर हैवी लग सकती है। साथ ही इसे पूरे चेहरे पर फैलाने में भी दिक्कत आ सकती है। थीक होने की वजह से ये त्वता पर सफेद पन छोड़ जाती है, जिससे त्वचा पर जिंक डाइऑक्साइड और टाइटेनियम डाइऑक्साइड चेहरे पर दिख सकते हैं। खासतौर पर डार्क स्किनटोन पर।

केमिकल सनस्क्रीन के फायदे और नुकसान

केमिकल सनस्क्रीन के भी अपने फायदे और नुकसान है। इसका टेक्सचर काफी पतला होता है। ऐसे में ये स्किन पर अप्लाई करने में ईजी होती है। वहीं, ये त्वचा पर सफेदपन भी नहीं छोड़ती है। वॉटर लाइट फॉर्मुला होने की वजह से ये त्वचा पर लंबे समय तक टिकी रहती है और पसीना या पानी में बहती भी नहीं है। ऐसे में अगर आप स्विमिंग या किसी आउडोर एक्टिविटी के लिए जा रहे हैं तो उसके लिए केमिकल सनसस्क्रीन एक अच्छा ऑप्शन है। हालांकि, इसके कुछ नुकसान भी है। केमिकल होने की वजह से ये त्वचा पर एलर्जी , रेडनेस और खुजली कर सकती है। केमिकल सनस्क्रीन को स्किन में अब्जॉर्ब होने में लगभग 20 मिनट का समय लग सकता है। ऐसे में इसे बाहर निकलने से 20 मिनट पहले अप्लाई करना होगा।

कौन सी सनस्क्रीन आपके लिए है बेहतर?

इन दोनों ही सनस्क्रीन के अपने - अपने फायदे और नुकसान है। कुछ सालों से मिनरल सनस्क्रीन को ज्यादा पसंद किया जा रहा है, क्योंकि इसमें हार्मफुल केमिकल नहीं होते हैं। 2019 की एक स्टडी से पता चलता है कि, सनस्क्रीन में मौजूद एक्टिव केमिकल इंग्रिडियंट्स ब्लडस्ट्रीम में अब्जॉर्ब हो कर रेशेज जैसी समस्या पैदा कर सकते हैं। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि मिनरल सनससस्क्रीन बेहतर ऑप्शन है।

डेलॉय-फिक्की की रिपोर्ट : 2030 तक दोगुना होगा भारत का रिटेल बाजार, ई-कॉमर्स और घरेलू मांग बनेंगे विकास के इंजन

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का खुदरा क्षेत्र 2030 तक दोगुना होकर 1.93 लाख करोड़ डॉलर का हो जाएगा। पांच साल की इस अवधि में यह क्षेत्र सालाना 10 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगा। 2024 में भारतीय खुदरा बाजार 1.06 लाख करोड़ डॉलर का था। डेलॉय एवं फिक्की की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा क्षेत्र के इस रफ्तार से बढ़ने की सबसे बड़ी वजह देश का मजबूत घरेलू बाजार है। यह वैश्विक स्तर पर व्यापार में हो रहे भारी उतार-चढ़ाव से भारत को बचाने में मदद करता है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत के खुदरा और उपभोक्ता क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ रहा है। घरेलू खरीदारी बढ़ रही है। डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। लोग महंगे और बेहतर उत्पादों की ओर बढ़ रहे हैं। शहरों के साथ छोटे और नए बाजारों में ई-कॉमर्स का विस्तार हो रहा है। ऑनलाइन बाजार अब 73 फीसदी खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं।

युवाओं में 250 अरब डॉलर खर्च की क्षमता

रिपोर्ट में कहा गया है, युवा पीढ़ी की 250 अरब डॉलर की खर्च करने की क्षमता के साथ बढ़ती क्रय शक्ति से घरेलू मांग को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही, यह ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने का आत्मविश्वास भी दे रहा है। इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए देश का डी2सी (डायरेक्ट-टु-कंज्यूमर) बाजार भी 2030 तक 100 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा। 2024 में यह 80 अरब डॉलर का था। डेलॉय दक्षिण एशिया के पार्टनर एवं कंज्यूमर इंडस्ट्री लीडर आनंद रमणनाथन ने कहा, भारत में युवा और डिजिटल तकनीक जानकार आबादी, मध्य वर्ग की बढ़ती ताकत और छोटे शहरों का आर्थिक प्रभाव खुदरा क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। ई-कॉमर्स लेनदेन का 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इन्हीं शहरों से आ रहा है।

त्योहारी सीजन में नौकरियों की बहार, 88 फीसदी कंपनियां दूसरी छमाही में बढ़ाएंगी भर्तियों की रफ्तार

त्योहारों के मौसम से पहले कंपनियों ने भर्तियों की रफ्तार तेज कर दी है। टीमलीज की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई से दिसंबर तक 88% कंपनियां नई भर्तियां करेंगी, खासकर ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर में। खुदरा और विनिर्माण क्षेत्र भी सक्रिय हैं। स्टार्टअप्स में फ्रेशर्स के लिए नौकरी के बेहतर अवसर बन रहे हैं, जो रोजगार बाजार को मजबूत कर रहे हैं।

त्योहारी मौसम करीब आते ही कंपनियों ने भर्तियों की तैयारी शुरू कर दी है। जुलाई से दिसंबर के बीच ई-कॉमर्स और टेक्नोलॉजी क्षेत्र नए लोगों को सबसे ज्यादा नौकरियां देंगे। टीमलीज की रिपोर्ट के मुताबिक, 88 फीसदी कंपनियों ने कहा, वे दूसरी छमाही में अच्छी खासी भर्तियां करने को तैयार हैं। इस सर्वे को मई और जुलाई में विभिन्न क्षेत्रों में किया गया था। इसमें 1,065 कंपनियों से बात की गई थी। टीमलीज एडटेक की कैरियर आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्रेशर्स के लिए एक मजबूत नौकरी बाजार है।

इसमें खुदरा 87 प्रतिशत और विनिर्माण क्षेत्र 82 प्रतिशत भर्तियां करेंगे। पहले स्थान पर स्टार्टअप है, जहां युवाओं की भारी मांग है। ई-कॉमर्स और प्रौद्योगिकी स्टार्टअप्स में मजबूत भर्ती की मंशा इस क्षेत्र में विकास को दर्शाती है, जो फ्रेशर्स के लिए अवसर पैदा करती है।

टीएमलीज एडटेक के सीईओ ने दी जानकारी

टीमलीज एडटेक के सीईओ शांतनु रूज ने कहा, जैसे-जैसे उद्योग तकनीक के साथ विकसित होते हैं, तकनीकी विशेषज्ञता को मानवीय कौशल के साथ मिलाने वाले नए लोग खुद को बेहतर स्थिति में पाएंगे। हालांकि, समग्र फ्रेशर भर्ती की मंशा इस साल जनवरी-जून के दौरान 74 प्रतिशत से जुलाई-दिसंबर के लिए 70 प्रतिशत तक कम हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्च विकास वाले क्षेत्रों में फ्रेशर्स के लिए अवसर मजबूत बने रहे। डिग्री प्राप्त प्रशिक्षुओं की मांग में लगातार वृद्धि देखी गई। इसमें विनिर्माण 37 प्रतिशत, इंजीनियरिंग-बुनियादी ढांचा 29 फीसदी और सूचना प्रौद्योगिकी 18 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहे।

प्रशिक्षुओं के लिए इन शहरों में मिलेंगे ज्यादा रोजगार के अवसर

बंगलूरू, चेन्नई और पुणे क्रमशः 37 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 26 प्रतिशत के साथ प्रशिक्षुओं की नियुक्ति के इरादे से सबसे आगे हैं। बड़े उद्यमों की तुलना में छोटे संगठन भी नए कर्मचारियों की नियुक्ति में मजबूत दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हालांकि उनकी नियुक्ति क्षमता सीमित है।

एआई एजेंट से एशिया-प्रशांत की कंपनियों का 20% बढ़ेगा राजस्व

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई एजेंट से एशिया-प्रशांत की कंपनियों का 20 फीसदी राजस्व बढ़ेगा। सेल्सफोर्स के एक सर्वे के मुताबिक, 75 फीसदी मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) का मानना है कि इससे व्यावसायिक संरचनाओं में मौलिक परिवर्तन आएगा।

सेल्सफोर्स का यह निष्कर्ष एआई रणनीति में बदलाव को उजागर करता है, जो सतर्क खर्च करने वालों से रणनीतिक निवेशकों की ओर बढ़ रहा है। एआई एजेंट रणनीतिक कार्यों को संभालकर लागत कम करते हैं और राजस्व को बढ़ाते हैं।

75 फीसदी सीएफओ ने कहा, एआई एजेंट लागत कम करके राजस्व भी बढ़ाएंगे। सर्वेक्षण में 63 फीसदी ने पांच साल पहले एआई रणनीति को रूढ़िवादी बताया था, जो आज सिर्फ 3 फीसदी रह गया है। सर्वे में वैश्विक स्तर पर 261 सीएफओ शामिल थे।

भारतीय कंपनियों ने छूट बढ़ने के बाद फिर शुरू की रूस से तेल की खरीदारी, चीन की आपूर्ति पर असर संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सरकारी कंपनियों ने छूट बढ़ने के कारण रूस से फिर कच्चे तेल की खरीद शुरू कर दी है। भारत पेट्रोलियम व इंडियन ऑयल ने सितंबर और अक्तूबर डिलीवरी के लिए खरीद शुरू की है। पिछले कुछ समय से रूसी तेल पर छूट काफी कम हो गई थी, जिससे खरीद को रोक दिया गया था। सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों की ओर से रूसी तेल आयात फिर से शुरू करने से शीर्ष खरीदार चीन के लिए आपूर्ति कम हो सकती है। जब घरेलू कंपनियों ने खरीद रोक दी थी, तब चीन ने अपनी खरीद को बढ़ा लिया था। घरेलू रिफाइनरियों ने जुलाई में कम छूट और अमेरिका की ओर से आलोचना के बाद रूसी तेल की खरीद रोक दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीद के एवज में 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाने की भी धमकी दी थी।

अधिकारियों ने बताया, यूराल्स क्रूड पर छूट बढ़कर तीन डॉलर प्रति बैरल हो गई है। इससे यह तेल रिफाइनरियों के लिए आकर्षक हो

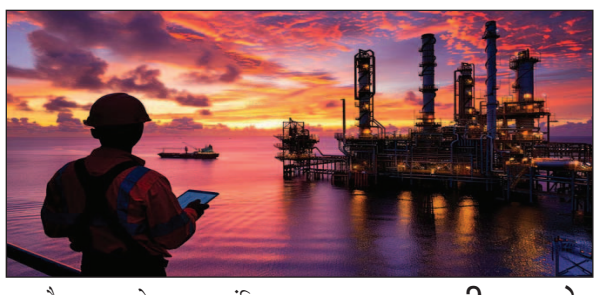

गया है। यूराल्स के अलावा इंडियन ऑयल ने वरंडे और साइबेरियन लाइट सहित अन्य रूसी कच्चे तेल ग्रेड भी खरीदे हैं।

लैटिन अमेरिका से 14 वर्ष में पहली बार आयात नहीं

भारत के कुल आयात में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन यानी ओपेक देशों का हिस्सा जुलाई में बढ़कर पांच माह के शीर्ष पर पहुंच गया। जनवरी-जुलाई में रूसी तेल आयात 3.6 फीसदी घटकर 17.3 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। भारत ने जुलाई में 2011 के बाद पहली बार लैटिन अमेरिका से तेल का आयात नहीं किया।

इराक व सऊदी अरब से भी हो रहा अच्छा आयात

रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा। उसके बाद इराक और सऊदी अरब का स्थान है। भारत के रूसी तेल आयात में आंशिक रूप से गिरावट इसलिए भी आई, क्योंकि रिलायंस ने जुलाई में खरीदारी जून की तुलना में लगभग 19 फीसदी कम कर दी। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों ने अगस्त और सितंबर में रूसी तेल की जगह मध्य पूर्व और अमेरिका से वैकल्पिक आपूर्ति शुरू कर दी है। इंडियन ऑयल ने बताया, वह आर्थिक स्थिति के आधार पर रूसी तेल खरीदना जारी रखेगी। चीनी रिफाइनरियों ने अक्तूबर और नवंबर डिलीवरी के लिए रूसी तेल के 15 कार्गो खरीदे हैं।

छूट घटने से जुलाई में कम हो गई थी तेल की खरीदी

आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में भारत का रूसी तेल आयात कम हो गया था, क्योंकि कुछ रिफाइनरियों ने कम छूट के कारण खरीदारी धीमी कर दी थी। इसके अलावा, बारिश में भारतीय ईंधन की मांग भी आमतौर पर कम हो जाती है। हालांकि, रूसी तेल आयात अगस्त में और कम होने की संभावना है, क्योंकि भारतीय सरकारी रिफाइनरियों ने छूट कम होने के कारण यूराल क्रूड की खरीदारी रोक दी थी। भारत ने जुलाई में प्रतिदिन 15 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल का आयात किया जो जून की तुलना में 24.5 फीसदी कम है। जुलाई में भारत के कुल आयात (44.4 लाख बैरल प्रतिदिन) में रूस का योगदान 34 फीसदी था। इस दौरान भारत का तेल आयात सितंबर, 2023 के बाद से सबसे कम रहा।

बैठक में देखते रह गए विदेश मंत्री इशाक डार, काबुल में पाकिस्तान के साथ खेल गया चीन

काबुल, एजेंसी। काबुल में बुधवार (20 अगस्त) को 90 दिन बाद अफगानिस्तान, चीन और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने एक बैठक की। इस बैठक का मकसद तीनों देशों की आपसी हित को साधना था, लेकिन बैठक में चीन और अफगानिस्तान ने अपना काम तो कर लिया पर पाकिस्तान को अकेला छोड़ दिया। काबुल की बैठक में न तो पाकिस्तान में आतंक कंट्रोल पर अफगानिस्तान ने कोई आश्वासन दिया और न ही उसके साथ कोई अलग से ट्रेड डील किया। पाकिस्तान की तरफ से बैठक में उप प्रधानमंत्री इशाक डार पहुंचे थे। डार के पास विदेश विभाग का भी जिम्मा है।

पाकिस्तान के साथ कैसे खेल गया चीन?

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार चीन के विदेश मंत्री के साथ ही त्रिस्तरीय वार्ता के लिए काबुल पहुंचे थे। इस त्रिस्तरीय वार्ता में तीनों देशों के बीच आतंक, सुरक्षा और व्यापार को लेकर बात होनी थी। बात हुई भी, लेकिन इसका फायदा पाकिस्तान के बदले चीन को मिल गया। पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान ने जो संयुक्त बयान जारी किया, उसमें आतंकवाद का जिक्र तक नहीं किया गया। तीनों देशों का संयुक्त बयान कुछ इस प्रकार है- 'काबुल की बैठक में अफगानिस्तान, चीन और पाकिस्तान ने व्यापार, पारगमन, क्षेत्रीय विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने में सहयोग को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'

इस बयान के तुरंत बाद एक बयान और जारी किया गया। यह बयान काबुल की तरफ से जारी किया गया, जो चीन को लेकर था। अफगानिस्तान इंटरनेशनल के मुताबिक काबुल में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस मुलाकात में अफगानिस्तान ने चीन को सुरक्षा की गारंटी दी। अफगानिस्तान ने कहा कि हम आपको यह आश्वासन दे रहे हैं कि हमारी धरती से आपके खिलाफ कोई भी गलत गतिविधियां प्रायोजित नहीं की जाएगी। दिलचस्प बात है कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को इस तरह का कोई आश्वासन नहीं दिया। उलटे जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने टीटीपी का जिक्र किया, तो अफगानिस्तान ने इस पर चुप्पी साध ली। बीबीसी उर्दू के मुताबिक पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का कहना था कि आतंक के खिलाफ अफगानिस्तान की कार्रवाई काफी धीमी है। हमें उम्मीद है कि अफगानिस्तान टीटीपी पर कार्रवाई करेगी। वहीं इस मुद्दे पर अफगान ने अपना पुराना स्टैंड (हमारे यहां टीटीपी है ही नहीं) को बरकरार रखा।

ट्रेड डील पर भी पाक को नहीं मिला तोहफा

एक तरफ जहां काबुल तक चीन के सीपीईसी के निर्माण पर सहमति बन गई। वहीं इस डील में पाकिस्तान को कोई तोहफा नहीं मिल पाया। अफगानिस्तान के एरियाना न्यूज के मुताबिक जुलाई 2025 में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के व्यापार में 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस त्रिस्तरीय बैठक में इसके बढ़ाने के लिए उपाय किए जाने की बात कही जा रही थी, लेकिन पाकिस्तान और अफगानिस्तान में कोई भी ट्रेड डील नहीं हुआ। चीन ने अपना हित साधकर त्रिस्तरीय बैठक को खत्म करा लिया।

हर दिन 10 लाख डॉलर जीतने की चुनावी लॉटरी का लालच दे रहे थे एलन मस्क, कोर्ट ने दिया मुकदमा चलाने का आदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। बिजनेसमैन एलन मस्क की मुश्किलें अब बढ़ती नजर आ रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिकी अदालत ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। मस्क पर 1 मिलियन डॉलर वाली एक चुनावी लॉटरी के जरिए मतदाताओं को धोखा देने का आरोप लगा है। इसको लेकर मस्क की तरफ से तर्क दिया गया था कि यह लॉटरी नहीं थी। हालांकि कोर्ट ने मस्क की इस तरह की बातों को नहीं माना है और आगे केस चलाने का आदेश दिया है।

अमेरिकी वोटरों का आरोप है कि एलन मस्क ने धोखे से अमेरिकी संविधान का समर्थन करने वाली एक याचिका पर साइन करवाए थे। इसको लेकर कहा गया था कि ऐसा करने से आप 10 लाख डॉलर हर दिन जीत सकते हैं। वोटर्स की तरफ से कहा गया कि दुनिया के सबसे अमीर आदमी की तरफ से इस तरह का धोखा ठीक नहीं है। यही कारण है कि कोर्ट ने मस्क के खिलाफ केस चलाने का आदेश दिया है।

टेक्सास के ऑस्टिन में अमेरिकी डिस्टिक्ट जज रॉबर्ट पिटमैन ने कहा कि जैकलीन मैकएफर्टी ने अपने सामूहिक मुकदमे में यह आरोप लगाया है कि मस्क और उनकी राजनीतिक कार्रवाई समिति अमेरिका पीएसी ने 2024 के चुनाव अभियान के अंत में, इनाम के तौर पर उन्हें व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी देने के लिए गलत तरीके से प्रेरित किया गया। एलन मस्क के खिलाफ ये यह केस चुनाव के दिन, 5 नवंबर, 2024 को दायर किया गया था।

लोगों की ली गई पर्सनल जानकारी

मस्क ने रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप को 2024 के राष्ट्रपति बनाने के लिए अमेरिका पीएसी की स्थापना की गई थी। एरिजोना निवासी मैकएफर्टी ने कहा कि मस्क और अमेरिका पीएसी ने सात विवादित राज्यों के मतदाताओं को अपनी याचिका पर साइन करने के लिए लॉटरी का सहारा लिया था। जबकि इस लॉटरी को लेकर कुछ भी ऐसा नहीं था कि मतदाता ये पैसा जीत सकते हैं। केस दर्ज कराने वालों ने कहा कि साइन करने वाले मतदाताओं को नाम, पते, ईमेल और फ़ोन नंबर भी देने को कहा गया था।

मस्क ने दिया ये तर्क

याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए, मस्क ने कई "लाल निशान" बताए, जो इस बात का सबूत थे कि उन्होंने कोई अवैध लॉटरी नहीं चलाई थी। उन्होंने कहा कि इनमें यह बयान भी शामिल था कि 10 लाख डॉलर के प्राप्तकर्ता "पैसे कमाने के लिए" चुने गए थे। जस्टिस ने अन्य बयानों का हवाला दिया, जिनसे पता चलता है कि प्रतिवादी 10 लाख डॉलर "दे रहे" थे, और यह राशि "जीती" जा सकती थी।

कुरान-हदीस की मान्यताओं पर तालिबानी कैबिनेट में बवाल, धार्मिक स्कूलों में भी नहीं पढ़ पाएंगी लड़कियां

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को 4 साल पूरे हो चुके हैं। इन चार वर्षों में तालिबान ने महिलाओं के कई बुनियादी अधिकारों पर रोक लगा दी है। 2021 में सत्ता संभालने के बाद से ही लड़कियों के लिए मिडिल स्कूल, हाई स्कूल और विश्वविद्यालयों के दरवाज़े बंद कर दिए गए थे। अब एक नया आदेश जारी हुआ है, जिसके तहत धार्मिक शिक्षा यानी मदरसों में भी लड़कियों और महिलाओं की पढ़ाई पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अल-अरेबिया की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान सरगना हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने हाल ही में यह आदेश दिया है। सूत्रों का कहना है कि पिछले हफ़्ते कंधार में हुई कैबिनेट बैठक में अखुंदजादा ने शिक्षा मंत्रालय और उच्च शिक्षा मंत्रालय को निर्देश दिया कि धीरे-धीरे महिलाओं का दाखिला धार्मिक स्कूलों में भी बंद कर दिया जाए।पहला कदम यह होगा कि उन्हें अब ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट नहीं दिए जाएंगे। कहा जा रहा है कि अखुंदजादा को पता चला था कि कई धार्मिक स्कूलों में सिर्फ इस्लामी शिक्षा ही नहीं बल्कि गणित, विज्ञान और भाषाएं भी पढ़ाई जा रही हैं। इसी वजह से उन्होंने यह सख्त फैसला लिया। इस आदेश से तालिबानी कैबिनेट में जमकर बहस छिड़ गई। कुछ मंत्रियों ने नाराजगी जताई और कहा कि इस साल वे लड़कियों के स्कूल खोलने की उम्मीद कर रहे थे।

कई मंत्रियों ने कुरान और हदीस की आयतें पेश कीं जिनमें साफ कहा गया है कि पढ़ाई-लिखाई लड़के और लड़कियों दोनों के लिए जरूरी है। लेकिन हिबतुल्लाह ने फिर वही सवाल उठाया कि कोई साफ इस्लामी दलील दो कि एक जवान लड़की घर से बाहर पढ़ाई करने क्यों जाए। पहले भी जब विश्वविद्यालयों में लड़कियों के दाखिले पर रोक की बात हुई थी, तब भी उन्होंने यही तर्क दिया था।

तालिबानी कैबिनेट में रस्साकशी

बैठक में बहस इतनी गरम हो गई कि कुछ तालिबानी नेता सीधे अपने मुखिया की आलोचना करने लगे। उनका कहना था कि यह रवैया तालिबान के अंदर गुस्सा और मतभेद पैदा करेगा और दुनिया से और ज्यादा विरोध झेलना पड़ेगा। कई लोगों को शक है कि अखुंदजादा किसी विदेशी एजेंडे के तहत जानबूझकर उनकी सरकार को कमजोर करना चाहते हैं।

चार साल और तालिबान के विवादित फैसले

15 अगस्त 2021 को अमेरिका की फौजें हटने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था और 20 साल पुराना युद्ध खत्म हो गया। लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने अपनी सख्त शरिया कानून की व्याख्या लागू कर दी। इसके तहत महिलाओं और लड़कियों पर भारी पाबंदियां लगा दी गईं।

पाकिस्तान बंद कर रहा कई हवाई मार्ग, क्या कोई है बड़ी प्लानिंग?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान देशभर में कई अहम हवाई मार्गों को अस्थायी रूप से बंद करने का नोटम (NOTAM) भी जारी किया गया है। इस कदम से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान किसी बड़े मिसाइल परीक्षण या एयर-डिफेंस सैन्य अभ्यास की तैयारी कर रहा है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत ने हाल ही में अपनी अग्नि-5 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। जब भारत ने अपनी स्वदेशी मिसाइल प्रोग्राम की सफलता का जश्न मनाया, तो पाकिस्तान का आसमान बंद करने का फैसला उसकी असुरक्षा और घबराहट भरी प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

सेंट्रल सेक्शन पर पाबंदी

पाकिस्तान ने घोषणा की है कि 22 अगस्त 2025 को सुबह 00:00 बजे से 02:30 बजे (UTC) तक इस्लामाबाद और नियंत्रण रेखा

(LoC) के आसपास का हवाई क्षेत्र बंद रहेगा। इस दौरान नागरिक हवाई यातायात को इन मार्गों से गुजरने की अनुमति नहीं होगी।

साउदर्न सेक्शन में भी बंदिशें

दक्षिणी हिस्से में लाहौर से लेकर रहिमयार खान, कराची और ग्वादर तक कई अहम हवाई मार्ग 26 अगस्त 2025 को 00:30 बजे (UTC) तक बंद रहेंगे। इस पाबंदी का असर भारत से सटे अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक और अरब सागर के ऊपर उड़ने वाले विमानों पर भी पड़ेगा।सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान की ओर से उठाया गया यह कदम किसी संभावित मिसाइल परीक्षण या एयर-डिफेंस से जुड़े अभ्यास का हिस्सा हो सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के समय भी लगी थी पाबंदी

इससे पहले 23 अप्रैल को, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के दौरान पाकिस्तान ने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाया था। 7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया।

इसके जवाब में पाकिस्तान ने भारत पर हमले किए, जिनका भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों देशों के बीच 4 दिन तक संघर्ष चला, जिसके बाद सीजफायर हुआ। हालांकि पाकिस्तान ने अब तक अपने हवाई क्षेत्र से पाबंदी नहीं हटाई है। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस फैसले से पाकिस्तान को दो महीने में करीब 4।10 अरब पाकिस्तानी रुपये का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 24 अप्रैल से 30 जून 2025 के बीच यह नुकसान हुआ।

एमसीयू सत्रारंभ कार्यक्रम 'अभ्युदय' का दूसरा दिन

एआई से मीडिया में प्रतिस्पर्द्धा बढ़ेगी लेकिन गुणवत्ता में आएगा निखार : यशवंत व्यास

भोपाल। एआई एक अच्छा साथी या सेवक हो सकता है। इसका मुकाबला ईमानदारी जैसे गुणों से किया जा सकता है। एआई से घबराने की कोई जरूरत नहीं। प्रिंट मीडिया को एआई से बहुत फायदा होगा। एआई के इस दौर में हाइपर लोकल दुनिया बहुत महत्वपूर्ण है, इससे भविष्य में प्रिंट मीडिया में फील्ड रिपोर्टिंग के जॉब्स बढ़ेंगे। उक्त बातें एमसीयू के सत्रारंभ कार्यक्रम 'अभ्युदय' के दूसरे दिन के पहले सत्र में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक यशवंत व्यास ने कही। वे बतौर मुख्य वक्ता 'एआई के दौर में प्रिंट मीडिया' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे।

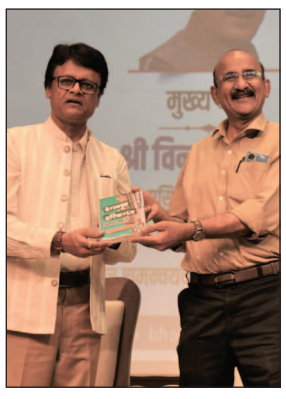

एमसीयू के सत्रारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन आज विभिन्न सत्रों में वरिष्ठ पत्रकार यशवंत व्यास, वरिष्ठ रेडियो उद्घोषक कमल शर्मा, जनसम्पर्क विशेषज्ञ डॉ. समीर कपूर, संस्कृतिधर्मी डॉ. सच्चिदानंद जोशी, पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर एवं वरिष्ठ पत्रकार एवं उद्घोषक विनय उपाध्याय के व्याख्यान हुए। प्रारंभिक सत्र में बोलते हुए श्री यशवंत व्यास ने कहा कि आधुनिक तकनीक और मानव सभ्यता के विकास में इंटेलिजेंस कोसेंट, फिजिकल कोसेंट, इमोशनल कोसेंट और स्प्रिचुअल कोसेंट जैसे मानवीय गुणों के संदर्भों में कहा कि मशीनें या तकनीक मानव का मुकाबला नहीं कर सकतीं। यह बात जरूर है कि हमारे कई कामों जैसे कि श्रम वाले क्षेत्रों में तकनीक का दखल बढ़ा है। बहुत हद तक आईक्यू आधारित काम में भी इसका समावेश बढ़ रहा है। लेकिन अभी भी मानवीय गुण बहुत बुनियादी हैं और एआई जैसी तकनीकें इसका मुकाबला नहीं कर सकती हैं। प्रिंट मीडिया में इन्हीं मानवीय गुणों जैसी प्रीमियम वैल्यू पैदा करनी होगी। सूचनाओं की दुनिया में मीडिया को विश्वसनीयता को बढ़ाना होगा। श्री व्यास ने एमसीयू में पत्रकारिता के इतिहास पर केंद्रित प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के ऐतिहासिक घटनाओं के कवरेज के प्रथम पन्नों की गैलरी की प्रशंसा भी की।

इस अवसर पर स्वागत भाषण में कुलगुरू श्री विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता खासकर प्रिंट मीडिया की पत्रकारिता बहुत विशिष्ट रही है। बहुत से समाचार पत्रों और पत्रिकाओं ने इस क्षेत्र में मानदंड स्थापित किए हैं। अपने पत्रकारीय जीवन के अनुभवों को साझा किया और बताया कि किस तरह प्रतिष्ठित पत्रिकाओं ने उनके लेखन में अहम भूमिका का निर्वाह किया है।

'आवाज की दुनिया' विषय पर अपने विचार रखते हुए प्रख्यात रेडियो उद्घोषक श्री कमल शर्मा ने कहा कि शब्द 'बम' का काम भी करते हैं और 'मरहम' का भी। अच्छा बोलना चाहते हैं तो अच्छा सुनना सीखिये। शब्द उदास भी करते हैं और शब्दों में वह ताकत भी होती है जो खुशी से भर दे। शब्द ब्रम्ह भी है जिसकी हम प्राण प्रतिष्ठा करते हैं। अच्छी भाषा के साथ अच्छा बोलने का संस्कार ही उद्घोषक को सफल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि शब्द की प्राण प्रतिष्ठा वाणी से ही होती है और वह प्रभावशाली हो जाता है। बोलते वक्त व्याकरण का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। उन्होंने ऑडियो मीडियम में आ रहे बदलावों सहित वाइस प्रोजेक्शन, रेडियो के लिए लेखन आदि विषयों पर विस्तार से बात की। इसी सत्र में संवाद कौशल पर वरिष्ठ पत्रकार और कला समीक्षक श्री विनय उपाध्याय ने कहा कि संसार में भाषा के आने से पूर्व भी ध्वनियां मौजूद थीं। यही ध्वनि भाषा की मातृभूमि हैं और शब्द उसकी पृष्ठभूमि। ज्ञान परंपरा का निर्माण वाचिक और शब्द जैसे अलग-अलग माध्यमों से हुआ है। शब्द के पास वाचिक शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि शब्द हमारी स्मृति में ठहर जाते हैं। इसलिए अच्छा संवाद करने के लिए अच्छे शब्द हमारे पास होना जरूरी है। इसके लिए अच्छा पढ़ना और सुनना बहुत आवश्यक है। एक अन्य सत्र में 'पत्रकारिता साहित्य एवं संस्कृति' विषय पर पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि भाषा के लिए हमारी निर्भरता तकनीक पर बढ़ना बहुत अच्छा नहीं है। पत्रकारिता में लोकमंगल की भावना को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि भाषा पत्रकार का प्रमुख औजार है इसलिए मीडिया के लोगों में भाषा की अच्छी समझ आवश्यक है। इसके बाद इसी विषय पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि एक भारतीय बतौर हमारी पहली पहचान हमारी संस्कृति है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा और संस्कृति बहुत समृद्ध है और यह पूरे विश्व को प्रभावित कर सकती हैं। डॉ. जोशी ने कहा कि यह युग मोबाइल का नहीं बल्कि भारत का युग है। इसके बाद डिजिटल दौर में विज्ञापन और जनसंपर्क की रणनीतियों पर ब्रांड विशेषज्ञ डॉ. समीर कपूर ने अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल दौर में जनसंपर्क का क्षेत्र बहुत विस्तृत हुआ है और इसमें अनेक नए आयाम जुड़े हैं। इस क्षेत्र में आने वालों को बाजार और बदलती तकनीकों, प्रतिस्पर्द्धा की बारीक जानकारियां होना आवश्यक है। इन विविध सत्रों में पत्रकारिता विभाग के समाचार पत्र विकल्प, जनसंचार विभाग के पत्र 'पहल' का विमोचन भी हुआ। पत्रकारिता विभाग की छात्राओं सुश्री प्रज्ञा एवं सुश्री विशाखा को पंडित रामेश्वर दयाल स्मृति तथा विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में 2023-2025 में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने पर छात्रा सुश्री प्रतिष्ठा पवार को स्व. अम्बा प्रसाद स्मृति पुरस्कार भी दिए गए। इस अवसर पर पूर्व छात्राओं प्रियंका दूबे, सोनल पटेरिया, डॉ. शिवा श्रीवास्तव तथा रागेश्री गांगुली ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विविध सत्रों का संचालन श्री लोकेंद्र सिंह राजपूत, डॉ गरिमा पटेल, श्री विवेक सावरीकर, डॉ. संदीप भट्ट ने किया तथा आभार डॉ. राखी तिवारी विभागाध्यक्ष पत्रकारिता विभाग, प्रो. संजय द्विवेदी, विभागाध्यक्ष जनसंचार विभाग, डॉ. आरती सारंग विभागाध्यक्ष पुस्तकालय विभाग तथा डॉ. पवित्र श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग ने किया। सत्रारंभ कार्यक्रम अभ्युदय के तीसरे दिन दिनांक 22 अगस्त 2025 को फिल्म समीक्षा विषय पर प्रख्यात पत्रकार श्री अनंत विजय का उद्बोधन होगा। सिनेमा लेखन के विविध आयाम विषय पर फिल्म निर्माता एवं लेखक विपुल रावल अपनी बात रखेंगे।

थामा का टीजर जारी, आयुष्मान-रश्मिका में दिखा रोमांस, मलाइका अरोड़ा ने लगाए ठुमके, जल्द रिलीज होगा ट्रेलर

स्त्री 2 के मेकर्स अपनी अगली हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा से चर्चा में हैं। 15 अगस्त फिल्म की पहली झलक दिखी थी और बीती 18 अगस्त को फिल्म से इसकी स्टार कास्ट आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का फर्स्ट लुक सामने आया था। फिल्म की स्टार कास्ट का फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ मेकर्स ने अपने दर्शकों को जानकारी दी थी कि वह फिल्म से सरप्राइज गिफ्ट देंगे और अपने वादे को पूरा करते हुए मेकर्स ने आज दर्शकों के लिए वो सरप्राइज शेयर कर दिया है।

1।49 मिनट के टीजर की शुरुआत रह पाओगी मेरे बिना सौ साल तक, 100 साल क्या एक पल भी नहीं रह पाऊंगी से होती और इसके बाद शुरू होता है, भूतिया खेल, में जिसमें आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना एक भूतिया जंजाल में फंसे नजर आ रहे हैं। इसके बाद परेश रावल की छोटी सी एंट्री होती है और फिर भूतिया जगहों का दीदार कराया जाता है, फिर आयुष्मान और रश्मिका के बीच रोमांस देखा जाता है, जिसे वैंपायर बने एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी देखते हैं, और कहते हैं, रुक क्यों गए, लगे रहो, मैंने 75 साल से रोमांस नहीं देखा है। मडोक फिल्म्स अपनी पहली लव-स्टोरी हॉरर फिल्म थामा से इस दिवाली धमाका करने आ रही है।

इससे पहले फिल्म से सभी स्टारकास्ट के शानदार और इंटेंस लुक वाले फर्स्ट लुक शेयर किए गये थे। इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल का फर्स्ट लुक सामने आया था। आयुष्मान और रश्मिका के फर्स्ट लुक की बात करें तो दोनों इंटेंस लुक में दिखे थे। फिल्म में आयुष्मान का किरदार आलोक, रश्मिका का ताड़का रोशनी का होगा। परेश रावल को उनके फर्स्ट लुक में हैरान परेशान देखा जा रहा था। परेश रावल का रोल मिस्टर राम बजाज गोयल का है, जो हमेशा कॉमेडी में ट्रेजडी ढूंढते हैं। वहीं, फिल्म के विलेन नवाज के वैंपायर रोल का नाम यक्षासन है, जो अंधेरे का बादशाह है और उनका बड़े वाला लुक भी बेहद सस्पेंसिव था।

रिपोर्ट्स की मानें तो, फिल्म का दूसरा पार्ट भी बनेगा, जिसमें ना सिर्फ नवाजुद्दीन बल्कि आयुष्मान, रश्मिका और परेश रावल भी नजर आने वाले हैं। फिल्म में आयुष्मान एक इतिहास के जानकर बनेंगे और परेश रावल भूतिया स्टडी करने वाले बाबा। बता दें। स्त्री और भेड़िया की तरह रोशन शंकर ने ही फिल्म थामा का स्क्रीनप्ले किया है और साथ ही इसके डायलॉग भी लिखे हैं।

बागी 4 का पहला गाना गुजारा जारी, हरनाज संधू के साथ इश्क फरमाते दिखे टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग मूवी बागी-4 का इंतजार लोगों को बेसब्री से है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें टाइगर श्रॉफ का खूंखार अवतार देखने को मिला था। अब इस फिल्म का पहला रोमांटिक गाना गुजारा रिलीज हो गया है।

इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ अपने प्यार की चाहत में जुनून की हद पार करते दिखेंगे। इस सिचुएशन को ध्यान में रख रोमांस से भरपूर गीत गढ़ा गया है। आज इसे टी-सीरीज के यूट्यूब अकाउंट पर रिलीज कर दिया गया। गुजारा में हमें टाइगर श्रॉफ के किरदार का रोमांटिक पहलू दिखाई देता है, जबकि ट्रेलर में हमें उनका एक्शन अवतार देखने को मिला था।

गाने में उनके साथ हरनाज संधू भी हैं। वो इस फिल्म में रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ की प्रेमिका के रोल में हैं। इस गाने में रॉनी अपने प्यार में खोया उसके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखता है। यह गाना बताता है कि फिल्म में एक्शन की जगह एक प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई देगी। कमेंट सेक्शन को देखने के बाद पता चल रहा है कि लोगों को ये गाना काफी पसंद आ रहा है। इसके बोल भी कमाल के हैं।

इसे जोश बरार और परंपरा ने गाया है। लिरिक्स जगदीप और कुमार के हैं। गाने का संगीत सलामत अली मतोई और जोश बरार ने

दिया है।

साजिद नाडियाडवाला ने कहानी और पटकथा लिखी है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। बागी 4 जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और अराजकता से भरी फिल्म होगी। बागी 4 आगामी 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस गाने के सिंगर जोश बरार ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, जब साजिद नाडियाडवाला सर और भूषण सर ने इस गाने की लिरिक्स सुनी, तभी कह दिया था कि ये गीत बागी-4 में होगा। जो भरोसा उन्होंने मुझ पर दिखाया उसके लिए मैं तहे दिल से उनका आभारी हूं। टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू ने इसमें जान डाल दी है, मैं लोगों का इसके प्रति रुझान देखना चाहता हूं और इसे लेकर मैं काफी उत्सुक हूं।

सामंथा ने बताया क्यों कर रहीं कम काम, शारीरिक और मानिसक स्वास्थ्य को लेकर कही ये बात

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु पिछले कुछ वक्त से काफी सीमित मात्रा में काम कर रही हैं। अब इसको लेकर अभिनेत्री ने खुलासा किया है और बताया है कि आखिर क्यों उन्होंने खुद ये फैसला किया है।

सामंथा रुथ प्रभु की गिनती साउथ इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अब वो सिर्फ एक्ट्रेस नहीं बल्कि एक प्रोड्यूसर भी बन गई हैं और अपनी इस नई भूमिका को काफी एंजॉय भी कर रही हैं। हालांकि, उनका कहना है कि काम के बोझ को कम करने के लिए अब वो सिर्फ प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगी, जो उन्हें दिल से पसंद होंगे।

अब सिर्फ चुनिंदा प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं सामंथा

ग्राजिया इंडिया के साथ बातचीत के दौरान सामंथा ने कहा कि अब वो क्वालिटी वर्क पर ध्यान देंगी और इसके लिए वो सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स पर काम कर करेंगी। इससे उनका वर्क लोड भी मैनेज रहेगा। एक्ट्रेस ने कहा, "मैं उस मुकाम पर पहुंच गई हूं जहां मैं वो काम करती हूं जिनके लिए मैं पैशनेट हूं। इसमें फिटनेस और फिल्में दोनों शामिल हैं। मैं कई फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हूं, लेकिन वो सभी ऐसे प्रोजेक्ट नहीं थे, जिनको लेकर मैं काफी उत्साहित हूं या जिनको लेकर मैं पैशनेट हूं। लेकिन अब मैं जो भी काम करती हूं, जिस भी बिजनेस में इन्वेस्ट करती हूं, जिस भी फिल्म का निर्माण करती हूं, सबमें मेरा दिल बसता है।"

अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दे रहीं एक्ट्रेस

अभिनेत्री का कहना है कि अब वो एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम नहीं करती हैं। बल्कि अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखती है और अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब एक साथ पांच फिल्में नहीं शूट करती। एक बात मुझे समझ आ गई है कि मुझे अपने शरीर की सुननी चाहिए, इसलिए मैंने काम कम कर दिया है। लेकिन अब मैं जो भी करती हूं और जिसमें अपनी एनर्जी वेस्ट हूं, वह बहुत मायने रखता है। कोई भी काम बेवजह नहीं होता। प्रोजेक्ट्स की संख्या भले ही कम हो गई हो, लेकिन उनकी वो काम बेहतर है।

राज और डीके की सीरीज में नजर आएंगी सामंथा

वर्कफ्रंट की बात की जाए तो सामंथा ने हाल ही में बतौर प्रोड्यूसर अपनी पहली तेलुगु फिल्म 'शुभम' में एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वो राज और डीके द्वारा निर्मित सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' में नजर आई थीं। वहीं आने वाले वक्त में सामंथा राज और डीके की आगामी सीरीज 'रक्त ब्रह्मांडः द ब्लडी किंगडम' में दिखाई देंगी। इस शो में आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, वामिका गब्बी और जयदीप अहलावत भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस सीरीज के साल 2026 में आने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com